Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 149
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
सोमवार,29 दिसम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

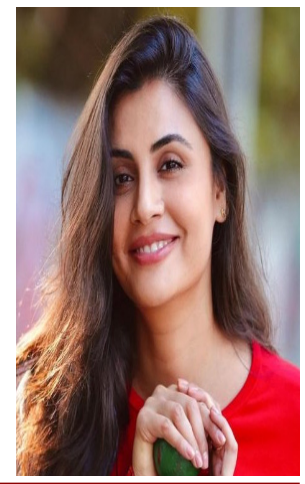

3 केसरबाग बस अड्डे के पास धमाके के साथ लगी आग:30 फीट तक उठीं लपटें | 4 योग अस्त-व्यस्त आधुनिक जीवन में संतुलन का सम्यक | 5 'बहस के बाद मुझे पीटते थे', 'बिग बॉस 19' फेम मालती चाहर ने मां-बाप

यूपी का कानून-व्यवस्था मॉडल बना अन्य राज्यों के लिए मिसाल

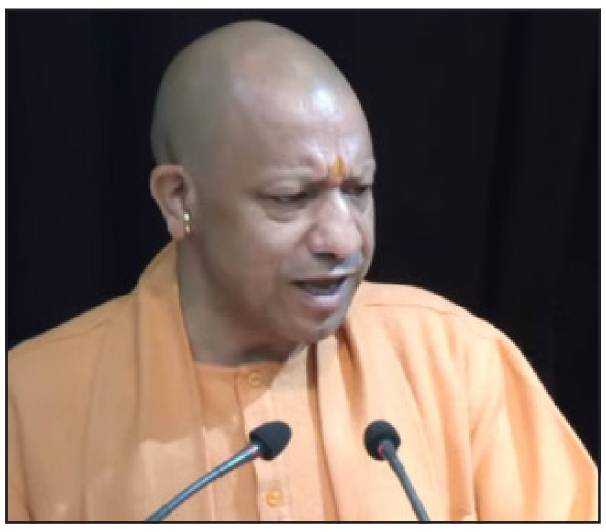

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य का कानून-व्यवस्था मॉडल अब अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण बन गया है और इस बात पर बल दिया कि सुरक्षा की भावना व कानून के शासन ने राज्य में निवेश तथा बुनियादी ढांचे के विकास को तेजी से आगे बढ़ाया है। पुलिस मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय पुलिस मंथन सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमने उत्तर प्रदेश में यह दिखाया है कि (बेहतर कानून-व्यवस्था से) क्या हासिल किया जा सकता है। आज अन्य राज्यों में इसे एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वहां का मीडिया भी कहता है कि यूपी मॉडल आ गया है। योगी आदित्यनाथ ने इस बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित स्मार्ट पुलिसिंग को दिया और कहा कि सम्मेलन के दौरान तैयार की गई रूपरेखा एक महत्वपूर्ण नीतिगत दस्तावेज के रूप में काम करेगी। एक्सप्रेसवे, हवाई संपर्क और रेल नेटवर्क का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, अगर सुरक्षा नहीं होती, तो बुनियादी ढांचे का विकास इस गति से संभव नहीं होता। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा, दो दिन अधिकारियों ने अपने समय और विषय का अनुशासन बनाए रखा। इसे आप ऐसे भी कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश पुलिस समय के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश को लेकर जनता की धारणा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा, आज लोग यह स्वीकार करते हैं कि प्रदेश में परिवर्तन हुआ है। सुरक्षा और कानून के शासन के कारण निवेश बढ़ा है। संवाद आधारित और जन-केंद्रित पुलिसिंग पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मानवीय बुद्धिमत्ता हमारा सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से नागरिकों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर संवाद और जुड़ाव बढ़ाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन पुलिस मंथन का उद्घाटन किया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य साइबर अपराध, मानव तस्करी और सोशल मीडिया से जुड़े उभरते मुद्दों जैसी प्रमुख पुलिसिंग चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना था।

मलेरिया के मामलों में 97 फीसदी की गिरावट, जल्द बीमारी से मुक्त होगा भारत - गृहमंत्री

अहमदाबादः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि भारत में मलेरिया के मामलों में 97 फीसदी की कमी आई है और देश जल्द ही इस बीमारी से मुक्त हो जाएगा। अहमदाबाद के शेला में आयोजित भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि आयुष्मान भारत और मिशन इंद्रधनुष जैसी स्वास्थ्य योजनाओं की वजह से मलेरिया के मामलों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि डेंगू से होने वाली मौतों की दर घटकर केवल एक फीसदी रह गई है, जबकि मातृ मृत्यु दर में 25 फीसदी की कमी आई है।उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में केंद्र सरकार का स्वास्थ्य बजट 37 हजार करोड़ रुपये था, जो अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बढ़कर 1.28 लाख करोड़ रुपये हो गया है। शाह ने कहा कि ये सभी उपलब्धियां तब संभव होती हैं, जब योजनाएं जमीनी स्तर पर सही तरीके से लागू की जाती हैं और इससे नागरिकों के स्वास्थ्य में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। गृहमंत्री अमित शाह ने डॉक्टरों से कहा कि उन्हें अपनी कोशिशों को सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं और बुनियादी ढांचे के साथ जोड़ना चाहिए, ताकि बेहतर नतीजे सामने आएं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को स्वस्थ जनसंख्या की जरूरत है और इसमें डॉक्टरों व आईएमए की भूमिका पहले से कहीं अधिक अहम हो गई है। उन्होंने कहा कि 2014 से केंद्र सरकार समग्र दृष्टिकोण के साथ एक मजबूत स्वास्थ्य तंत्र बनाने का प्रयास कर रही है। इसके तहत स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत, फिट इंडिया आंदोलन और खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों पर फोकस किया गया है।

सार संक्षेप

उन्नाव रेप केस: कुलदीप सेंगर की उम्रकैद पर सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासित कुलदीप सिंह सेंगर की उन्नाव बलात्कार मामले में आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है। सुनवाई सूची के अनुसार, भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और एवं ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन सदस्यीय अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। उच्चतम न्यायालय अधिवक्ता अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार द्वारा दायर एक अलग याचिका पर भी सुनवाई करेगा जिसमें उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है और उस पर रोक लगाने की मांग की गई है। सीबीआई ने अपनी याचिका में एल. के. आडवाणी मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया था कि सांसद या विधायक जैसे सार्वजनिक पद पर रहने वाले व्यक्ति को लोकसेवक माना जाएगा। एजेंसी का कहना है कि उच्च न्यायालय ने यह कहकर गलती की कि अपराध के समय विधायक रहा सेंगर लोकसेवक नहीं था।

अरावली पहाड़ी परिभाषा विवाद: उच्चतम न्यायालय में सोमवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच उच्चतम न्यायालय ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया है और वह सोमवार को मामले की सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी जिसमें न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायामूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करते हुए, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले अरावली क्षेत्रों में विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक नए खनन पट्टों के आवंटन पर रोक लगा दी थी। अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था। समिति के अनुसार, अरावली पहाड़ी को उन चिह्नित अरावली जिलों में मौजूद किसी भी भू-आकृति के रूप में परिभाषित किया जाएगा।

पीएम मोदी ने घोषणा

जनवरी में मनायी जायेगी स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि की जन्म शताब्दी

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को घोषणा की कि अगले महीने स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि का जन्म शताब्दी समारोह मनाया जाएगा। पीएम मोदी ने ओडिशा की मूल निवासी गिरि को स्वतंत्रता संग्राम एवं समाज सुधार के प्रति उनके समर्पण को लेकर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। मोदी ने वर्ष के अंतिम श्मन की बातश कार्यक्रम में गिरि का नाम लिया। मोदी ने कहा कि देश के हर हिस्से के लोगों ने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया, लेकिन दुर्भाग्य से कई नायकों, चाहे वे पुरुष हों या महिला, को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। उन्होंने कहा, ओडिशा की पार्वती गिरि जी ऐसी ही एक स्वतंत्रता सेनानी हैं। उनकी जन्म शताब्दी जनवरी 2026 में मनाई जाएगी। उन्होंने 16 वर्ष की आयु में भारत छोड़ो

आंदोलन में भाग लिया था। स्वतंत्रता संग्राम के बाद पार्वती गिरि जी ने अपना जीवन समाज सेवा और आदिवासी कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने कई अनाथालय स्थापित किए। उनका प्रेरणादायक जीवन हर पीढ़ी का मार्गदर्शन करता रहेगा। मैं पार्वती गिरि को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि देश अगले महीने 77वां गणतंत्र दिवस मनाएगा, ऐसे में जब भी ऐसे अवसर आते हैं, लोगों के दिल स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निमार्ताओं के प्रति कृतज्ञता से भर जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देशवासियों का यह दायित्व है कि वे अपनी विरासत को न भूलें। उन्होंने कहा, हमें उन नायकों, चाहे वे पुरुष हों या महिलाएं, की महान गाथा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना होगा, जिन्होंने हमें स्वतंत्रता दिलाई।

चंद्रबाबू नायडू ने किए रामलला के दर्शन-पूजन

रामराज्य किसी भी सरकार के लिए बेंचमार्क, धार्मिक अनुष्ठानों में लिया हिस्सा

अयोध्याः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू रविवार को अयोध्या पहुंचे। रामनगरी पहुंचने पर उन्होंने सबसे पहले श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन किए और विधिवत पूजन-अर्चना किया। इसके बाद सीएम नायडू मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला पहुंचे, जहां रामलला की प्रतिष्ठा द्वादशी के अवसर पर चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन किया और सुख-समृद्धि की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद सीएम नायडू ने पूरे राम मंदिर परिसर का भ्रमण किया और निर्माण कार्य और व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने उनका स्वागत किया। वहीं जगतगुरु मध्वाचार्य ने सीएम नायडू को आशीर्वाद प्रदान किया। मंदिर परिसर में मौजूद राम भक्तों ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया, जिसे उन्होंने हाथ जोड़कर स्वीकार किया। सीएम नायडू का यह दौरा आध्यात्मिक आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक माना जा रहा है।

सहारनपुर में केशव मौर्य बोले

यूपी में अपराधी या तो जेल में, या प्रदेश छोड़ चुके

'कांग्रेस इतिहास बनने जा रही, सपा अपराध की फैक्ट्री'

सहारनपुरः डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य आज सहारनपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा- भाजपा 2027 में नहीं, बल्कि 2029 तक सत्ता में बनी रहेगी। आगामी चुनावों में जनता के आशीर्वाद और कार्यकताओं के परिश्रम से एक बार फिर बड़ी और ऐतिहासिक विजय हासिल होगी। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए कहा- कांग्रेस का राजनीतिक भविष्य समाप्त हो चुका है और सपा अपराध की राजनीति का प्रतीक बन चुकी है। सपा ने अपने

शासनकाल में गाजियाबाद से गाजीपुर तक अपराध का साम्राज्य खड़ा कर दिया था। जहां सपा होती है, वहां अपराध अपने आप पहुंच जाता है। यूपी को उन्होंने जंगलराज में झोंक दिया था। भाजपा सरकार ने कानून का राज स्थापित किया है। केशव प्रसाद मौर्य बोले- यूपी में सभी अपराधी जेल जा चुके है डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- आज उत्तर प्रदेश में अपराधी या तो जेल में हैं या प्रदेश छोड़ चुके हैं। भाजपा की सरकार ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है, जिसे जनता ने स्वीकार किया है। झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है कांग्रेस कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए मौर्य ने कहा-140 साल पुरानी कांग्रेस का अब कोई राजनीतिक भविष्य नहीं बचा है। कांग्रेस ने कभी आजादी की लड़ाई में भागीदारी की बात की, लेकिन उसी पार्टी ने वंदे मातरम के टुकड़े कर दिए। कांग्रेस की राजनीति आज देश को तोड़ने वाली सोच तक सिमट गई है और अब केवल झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है।

कांग्रेस स्थापना दिवसः बिहार में कांग्रेस अध्यक्ष प्रदेश राजेश राम ने निकाली पदयात्रा, लोकतंत्र की मजबूती का लिया संकल्प

पटना। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष राजेश राम ने पार्टी का झंडा फहराया तथा कांग्रेस सेवा दल को नया ध्वज सौंपकर झंडे की सलामी ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मौजूद सभी कांग्रेसजनों को लोकतंत्र की मजबूती और संरक्षण के लिए संकल्प दिलवाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस पांच जनवरी से प्रदेश भर में मनरेगा बचाओ अभियान की शुरूआत करेगी। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के बारे में कहा कि यह कोई साधारण योजना नहीं, बल्कि भारत के संविधान से प्राप्त काम का अधिकार है, जिसकी रक्षा हर हाल में की जाएगी।उन्होंने उपस्थित कांग्रेसजनों को शपथ दिलाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ग्रामीण मजदूरों के सम्मान, रोजगार, मजदूरी तथा समय पर भुगतान के अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेगी और मांग-आधारित रोजगार व ग्राम सभा के अधिकारों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र पर पूर्ण विश्वास रखते हुए कांग्रेस पार्टी मनरेगा बचाने, मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करने और गांव-गांव तक अपनी आवाज बुलंद करने का संकल्प लेती है।उन्होंने कहा कि मनरेगा को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी एवं सेवा दल द्वारा प्रदेश कार्यालय से गांधी मैदान स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा तक पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता मदन मोहन झा, बिहार के सह प्रभारी शाहनवाज आलम एवं कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष डॉ. संजय यादव ने किया।

मिजोरम और गोवा के बाद त्रिपुरा बना देश का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य

अगरतला। मिजोरम और गोवा के बाद त्रिपुरा 2025 में देश का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया। वहीं, इस वर्ष सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सहयोगी टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के बीच खींचतान और बांग्लादेश से सुरक्षा संबंधी खतरे राज्य में प्रमुख मुद्दे रहे। राज्य की साक्षरता दर 95.6 प्रतिशत तक पहुंच गई है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के दिशानिर्देशों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने किसी राज्य को पूर्ण साक्षर घोषित करने के लिए 95 प्रतिशत से अधिक साक्षरता दर का मानदंड निर्धारित किया है। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में टीएमपी और भाजपा के बीच आंतरिक कलह देखने को मिली। इसी कड़ी में आगामी त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) चुनाव से पहले दोनों दलों की ओर से से एक-दूसरे के कार्यकताओं पर हमले की घटनाएं सामने आई जिनमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए। टीएमपी सुप्रीमो और पूर्व राजपरिवार के वंशज प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने टिपरासा समझौते के कार्यान्वयन और राज्य में आदिवासियों द्वारा बोली जाने वाली कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि को अपनाने पर अपनी पार्टी के रुख को दोहराया। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि टिपरासा समझौते के प्रावधानों को तब तक लागू नहीं किया गया, तो पार्टी अगले साल अप्रैल में होने वाले टीटीएएडीसी चुनाव में अकेले मैदान में उतरेगी। टिपरासा समझौता, मूल निवासियों के समग्र विकास के लिए टीएमपी द्वारा केंद्र और राज्य सरकार के साथ 2024 में हस्ताक्षर किए गए एक करार के संदर्भ में है। टीएमपी ने क्षेत्रीय दलों के लिए एक साझा मंच वन नॉर्थ ईस्ट (वन) का पहला सम्मेलन भी आयोजित किया।

अखिलेश का सवाल

एसआईआर में कहां से आई 1.11 करोड़ की शुभ संख्या

निर्वाचन आयोग कहता,कटेंगे 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर वार-पलटवार जारी है। एसआईआर की डेडलाइन पूरी होने के बाद जारी सूची में पिछली बार से 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटने की बात कही गई है। इसे लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने एसआईआर में कटे वोटों की बड़ी संख्या को लेकर सवाल उठाया है। अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री कह रहे थे कि एसआईआर में चार करोड़ वोटर कम हुए हैं, फिर 2.89 करोड़ वोट कम होने का आंकड़ा कहां से आ गया। दो हफ्ते में 1.11 करोड़

की शुभ संख्या अचानक कैसे बढ़ गई। पिछले दिनों भाजपा की बैठक में सीएम योगी ने कहा था कि पिछली बार से करीब चार करोड़ वोटरों की संख्या कम है। पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को एसआईआर अभियान में जुटने का निर्देश दिया था। सीएम के चारकरोड़ वोटरों के नाम कम होने के बयान पर अखिलेश यादव ने हमला बोला है। अखिलेश ने पूछा कि वोटों की यह संख्या जुड़ी है या जोड़ी गई है। इतने सारे लोगों ने एक साथ वोट बनवाया है तो वे दिखाई क्यों नहीं दिए। कोई सीसीटीवी है, जिसमें इतने बड़े पंजीकरण का वीडियो उपलब्ध है। कहीं ये आभासीय वोटर तो नहीं हैं। अखिलेश ने प्वाइंट में कई सवाल पूछे हैं। मुख्यमंत्री तो कह रहे थे कि एसआईआर में 4 करोड़ वोटर कम हुए हैं फिर श2 करोड़ 89 हजारश का आँकड़ा कैसे आया? घ्दो हफ्ते में 1 करोड़ 11 लाख की शुभ संख्या अचानक कैसे बढ़ गयी?वोटों की ये संख्या जुड़ी है या जोड़ी गई है?घ्इतने सारे लोगों ने अगर एक साथ वोट बनवाया है तो वो दिखाई क्यों नहीं दिये? क्या कोई सीसीटीवी है जिसमें इतने बड़े पंजीकरण का वीडियो उपलब्ध है? ये आभासीय वोटर तो नहीं हैं ? ये भाजपा के अजैविक डिजिटल वोटर तो नहीं है?घ्भाजपा का मंत्रिमंडल और कार्यकर्ता तो दो हफ्तों से किसी के महास्वागत के लिए जबरदस्ती की भीड़ जुटाने में लगा था, फिर ये काम हुआ कैसे? ये कार्य किसी और के श्कर-कमलश से तो अंजाम नहीं दिया गया? निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार कुल 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। सबसे ज्यादा 12 लाख मतदाताओं के नाम लखनऊ में काटे जाएंगे। दूसरे नंबर पर प्रयागराज में 11.56 लाख और तीसरे नंबर पर कानपुर नगर में 9.02 लाख वोटरों के नाम कटेंगे। यह स्थानांतरित, अनुपस्थित व जिनकी मृत्यु हो गई है वह मतदाता हैं।

सनातन धर्म ही इहलोक व पारलौकिक कल्याण का साधन - स्वामी कृष्ण दास जी महाराज

सुसंस्कार ही संस्कृति के सच्चे वाहक – स्वामी घनश्याम दास जी महाराज

सामाजिक समरसता समृद्ध एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला – डॉ जी एस तोमर

अपनी संस्कृति पर गर्व करें व स्वदेशी अपनाएँ – प्रमोद कुमार पाण्डेय

त्रिवेणीपुरम्-स्थित दुर्गा पूजा पार्क में आज हिन्दू समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें स्वामी कृष्ण दास जी महाराज, स्वामी घनश्याम दास जी महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सके सम्पर्क प्रमुख डॉ प्रमोद कुमार पाण्डेय, आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जी एस तोमर एवं विपणन अधिकारी ओम प्रकाश जी उपस्थित रहे। दिन भर चले इस आयोजन का प्रारम्भ हृदय नारायण शुक्ला के सहयोग से सुन्दर काण्ड के पाठ के साथ हुआ। इसके बाद संकटमोचन पार्क स्थित मंदिर की साधिकाओं द्वारा भजन कीर्तन हुए। इसके उपरान्त माँ भारती एवं शिवाजी महाराज के चित्रों पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्वलन कर बोद्धिक सत्र का आयोजन हुआ। इस अवसर पर स्वामी कृष्ण दास जी महाराज ने अपने जोश पूर्ण उद्बोधन में हिन्दू समाज को एकजुट होने एवं

सनातन संस्कृति को संरक्षित करने का आह्वान किया। स्वामी घनश्याम दास जी महाराज ने संस्कारवान संतति को सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए आवश्यक बताया। आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जी एस तोमर ने विकसित भारत के निर्माण के लिए पंच परिवर्तन को अत्यावश्यक बताया। उन्होंने सामाजिक समरसता को समृद्ध एवं सशक्त राष्ट्र की आधारशिला बताते हुए कुटुम्ब प्रबोधन को संस्कारवान समाज के निर्माण का साधन बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की चिंता से स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का निर्माण हो सकेगा। डॉ तोमर ने स्व का भान याद दिलाते हुए स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग करने पर बल दिया एवं नागरिक कर्तव्यों को अपने जीवन में उतारने की सलाह दी। अपने संबोधन में संघ के सम्पर्क प्रमुख डॉ प्रमोद कुमार पाण्डेय ने एकता की शक्ति एवं विघटन की कमजोरी को स्पष्ट करते हुए सामाजिक सौहार्द पर बल दिया। उन्होंने छोटे बड़े, ऊँचे नीचे आदि का भेदभाव भुलाकर एकजुट रहने को ही विकास की कुंजी बताया। विपणन अधिकारी ने भारत भूमि की प्रशंसा करते हुए इसी मिट्टी में शिवाजी एवं भगत सिंह जैसे अमर शहीदों को जन्म दिया है। इस अवसर पर वन्दे मातरम् एवं भारत माता की आरती भी की गई। कार्यक्रम में प्रो रमेश मिश्रा, लल्लन सिंह, ए के सिंह, हृदय नारायण शुक्ला, सुदर्शन आयुर्वेद केंद्र के राजेन्द्र सिंह, संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक अशोक मिश्रा, डॉ दीपक, संतोष, कौशल, मनीष, पवन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन संजय कुमार गुप्ता ने किया।

2025 की समयरेखा – रवनीत सिंह बिट्टू (रेलवे और खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री), रेलवे परियोजनाएं रेलवे नेटवर्क को सुदृढ़ बनाना

गुरदासपुर-मुकेरियन रेल लिंक के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण को मंजूरी दी गई – उत्तरी पंजाब में यात्री और माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक भावी रेल लाइन।

राजपुरा-मोहाली रेल लाइन (18 किमी) को मंजूरी दी गई (प्त ?443

करोड़) – मोहाली और राजपुरा के बीच संपर्क को मजबूत करने और दिल्ली की यात्रा को सुगम बनाने की उम्मीद है; मालवा क्षेत्र को सीधे चंडीगढ़ से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण परियोजना।

फिरोजपुर-पट्टी रेल लिंक परियोजना (25.72 किमी, लगभग ?764 करोड़) को पूर्ण रेलवे निधि और भूमि अधिग्रहण निधि पंजाब सरकार के पास जमा कर दी गई है (रेलवे ने डीसी तरनतारन के पास ?138 करोड़ और डीसी फिरोजपुर के पास ?56 करोड़ जमा किए हैं) ताकि पंजाब के मालवा और माझा क्षेत्रों को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण नई लाइन परियोजना को गति दी जा सके और फिरोजपुर और अमृतसर के बीच यात्रा की दूरी को काफी कम किया जा सके।

लंबे समय से लंबित कादियान-ब्यास रेल लाइन परियोजना को अब फिर से शुरू कर दिया गया है - वर्षों से रुकी हुई इस ऐतिहासिक लगभग 40 किमी लंबी रेल पटरी का निर्माण कार्य पुनर्जीवित हो रहा है, जिससे क्षेत्रीय उद्योग और संपर्क को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

चंडीगढ़-मोरिंडा-लुधियाना रेलवे ट्रैक के दोहरीकरण के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण किया गया है - यह बढ़ते रेल यातायात को संभालने और त्रिशहरी क्षेत्र के प्रमुख मार्गों पर संपर्क सुधारने के लिए किए जा रहे व्यापक आधुनिकीकरण का हिस्सा है।

मुख्य लाइन के साथ संपर्क को मजबूत करने के लिए अंबाला से पठानकोट तक तीसरी लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण किया गया है - यह देश भर में किए जा रहे नेटवर्क सुदृढ़ीकरण का हिस्सा है।

रेल सेवाएं

मालवा क्षेत्र से होकर वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ झ बरनाला में नया पड़ाव जोड़ने के बाद फिरोजपुर को मालवा क्षेत्र के प्रमुख शहरों से होते हुए दिल्ली से जोड़ा जाएगा।

शहीदी जोर मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरहिंद जंक्शन पर 12 ट्रेनों के लिए अस्थायी ठहराव की घोषणा की गई है (25-27 दिसंबर, 2025) झ जिससे त्योहार के दौरान यात्रा सुगम हो सके।

स्टेशन पुनर्निर्माण

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पुनर्निर्माण (?462 करोड़) की समीक्षा की गई और चंडीगढ़ स्टेशन को आधुनिक ट्रांजिट हब में उन्नत यात्री सुविधाओं के साथ अपग्रेड करने की प्रगति की समीक्षा की गई।

पंजाब के सभी 30 स्टेशनों पर स्टेशन विकास कार्य शुरू किया गया है।

सड़क सुरक्षा कार्य झ आरओबी और आरबी

51 ऐसे स्थानों की पहचान की गई है जहां आरओबी और आरबी व्यवहार्य हैं और इनमें से 25 को अब तक मंजूरी मिल चुकी है। 21 अन्य स्थान अनुमोदन की प्रक्रिया में विभिन्न चरणों में हैं। लंबे समय से लंबित दोराहा आरओबी के लिए निविदा अब जारी की गई है। पंजाब सरकार के अपेक्षित सहयोग से यह कार्य अब पूरा हो जाएगा।

पंजाब के लिए निधि आवंटन में वृद्धि

पंजाब के लिए अवसंरचना और सुरक्षा कार्यों के लिए निधि आवंटन में वृद्धि

अवधिः औसत व्यय में वृद्धि (2009-14 के औसत आवंटन की तुलना में)

2009-14: 225 करोड़/वर्ष

2023-24: 4762 करोड़ (21 गुना से अधिक)

2024-25: 5147 करोड़ (लगभग 23 गुना)

2025-26: 5421 करोड़ (24 गुना से अधिक)

विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में 24 से 28 दिसम्बर, 2025 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में आयोजित 73वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) कबड्डी चैम्पियनशिप-2025 के अन्तिम दिन 28 दिसम्बर, 2025 को खेले गये फाइनल मैच में दक्षिण मध्य रेलवे ने पूर्वोत्तर रेलवे को 48-26 से हराकर चैम्पियनशिप जीत लिया तथा पूर्वोत्तर रेलवे उपजेता रही। मध्य रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई.सी.एफ.) को 39-29 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। फाइनल मैच में दक्षिण मध्य रेलवे के नितेश कुमार, नितिन सिंह, नरेन्द्र, रोहित एवं सुमित ने तथा पूर्वोत्तर रेलवे के कप्तान सुनील कुमार तथा

प्रवेश, रोहित गुलिया, सुरेन्द्र गिल, आशीष नागर, हिमांशु एवं कर्मवीर ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं संरक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर ने विजेता, उपजेता तथा प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रही टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी, भारी संख्या में खिलाड़ी एवं पूर्वांचल के कबड्डी प्रेमी उपस्थित थे। इसके पूर्व, 28 दिसम्बर, 2025 को हुये सेमीफाइनल मैचों में पूर्वोत्तर रेलवे ने मध्य रेलवे को कड़े मुकाबले में 37-24 तथा दक्षिण मध्य रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई.सी.एफ.) को 51-28 से पराजित कर फाइनल के लिये अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं संरक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर सहित प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ रेल अधिकारियों, क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, नई दिल्ली से आये खिलाड़ियों, कोच, रेफरी एवं ऑफिशियल्स को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिह ने कहा कि इस चैम्पियनशिप में कुल 17 टीमों से 350 से अधिक खिलाड़ियों, कोच, रेफरी एवं ऑफिशियल्स ने भाग लिया और अच्छे खेल का प्रदर्शन कर पूर्वांचल वासियों का भरपूर मनोरंजन किया तथा यहाँ के उदीयमान कबड्डी खिलाड़ियों ने कबड्डी के गुर सीखे। कार्यक्रम के दौरान पूर्वोत्तर रेलवे कबड्डी टीम के पूर्व कोच एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी स्व० सुशील यादव की आत्मा की शांति के लिये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे सहित सभी ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

पेट्रोल पंप के बगल में पंचर बनाने की दुकान में लगी आग सहमे लोग

सोनभद्र। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर अनपरा थाने की पुलिस भी दमकल दस्ते के साथ पहुंच गई। सूझबूझ दिखाते हुए करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। अनपरा थानाक्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर हाइवे किनारे पंचर की दुकान में रखे टायरों में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग इतनी विकराल रही कि करीब दो घंटे तक दुकान जलती रही। पांच दमकल वाहनों ने 15 राउंड में आग पर काबू पाया। पुलिस और फायर ब्रिगेड कर्मियों की सूझबूझ से बड़ी दुर्घटना टल गई। दुकान के मालिक कलाम अंसारी

ने बताया कि देर रात सभी काम समाप्त कर पीछे मकान में भोजन कर परिवार सो गया। करीब एक बजे बाहर लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। बाहर निकला तो देखा कि 20 फीट से ऊंची आग की लपटें निकल रही है। तत्काल घर में सो रहे सभी लोगों को बाहर निकाला। दुकान के आसपास खड़े वाहनों को भी तत्काल हटवाया गया। घटना की सूचना पर डायल 112 की पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस सहित अनपरा तापीय परियोजना, एमईआईएल अनपरा एनर्जी लिमिटेड और हिंडालकों के पांच दमकल वाहन मौके पर पहुंच गए। सबसे पहले कीचन में रखे गैस सिलेंडर को सुरक्षित निकाला। तत्पश्चात दमकल के सभी वाहनों ने चारों तरफ से पानी से आग बुझाना शुरू कर कर दिया। आग इतनी भयानक थी कि सभी दमकल वाहन पानी समाप्त होने के बाद करीब तीन चक्कर पानी भरकर लगे। करीब चार बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। इस दौरान हाइवे पर सभी वाहनों को सुरक्षा के लिहाज से रोक दिया गया था। आग बुझाने के बाद हाइवे पर आवागमन बहाल कराया गया। इस दौरान दुकान में रखा सारा टायर और गुमटी में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। समय पर पहुंचते दमकलकर्मी तो पेट्रोल टंकी को भी हो सकता था नुकसान जिस दुकान में आग लगी थी, उसके ठीक बगल में पेट्रोल पंप है। टायरों में लगी आग बढ़ते जा रही थी। आग इतनी विकराल थी कि दुकान के बगल में सूखे पेड़ के साथ हरा पेड़ भी जलकर राख हो गया। हवा के कारण पेट्रोल पंप भी पहुंचने का अंदेशा था। सूचना पर पेट्रोल पंपकर्मी भी सतर्क हो गए। पुलिस भी निगरानी बनाए हुए थी। सूचना पर पहुंचे दमकलकमीर्यों ने कुछ ही समय से आग पर काबू पा लिया। अगर थोड़ी देर होती तो आग पेट्रोल पंप तक पहुंच सकती थी, जिससे बड़ी दुघर्टना हो सकती थी।

ब्लॉक प्रमुख के बेटे ने फॉर्च्यूनर से 700 मीटर तक छात्र की बाइक को घसीटा

वाराणसी। इस मामले के बाद स्थानीय लोग उग्र हो गए और फॉर्च्यूनर सवार युवक को पकड़कर पीटने लगे। सूचना पाकर कैंट थाने की पुलिस भी पहुंच गई। भीड़ से युवक को छुड़ाया। दोनों वाहनों को सीज कर दिया गया। कैंट थाना क्षेत्र के अर्दली बाजार में शनिवार शाम फॉर्च्यूनर सवार ने यूपी कॉलेज के छात्र की बाइक में टक्कर मार दी। फॉर्च्यूनर सवार बाइक को घसीटते हुए 700 मीटर दूर तक अर्दली बाजार चौकी तक ले गया। यूपी कॉलेज के छात्रों और राहगीरों ने पथराव कर शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए। किसी तरह कैंट पुलिस ने फॉर्च्यूनर चालक को बचाया। फॉर्च्यूनर सवार युवक चंदौली के धानापुर ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह खलनायक का बेटा है। गाड़ी अजय की पत्नी मीरा सिंह के नाम पर आरटीओ में रजिस्टर्ड है। कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि शाम 4 बजे यूपी कॉलेज गेट के सामने चौबेपुर के छितौनी निवासी आशुतोष सिंह की बाइक हीरो स्ट्रीम की टक्कर फॉर्च्यूनर से हो गई। दोनों के बीच विवाद हो गया और उसी विवाद को लेकर महावीर मंदिर से फॉर्च्यूनर में फंसाकर बाइक को अर्दली बाजार तक घसीटते ला रहा था, जिसे पुलिस चौकी के सामने रोक लिया गया है। मौके पर भीड़ से यातायात बाधित हो गया। पुलिस लाइन से क्रेन मंगाकर फॉर्च्यूनर व बाइक को कैंट थाने भेजा गया। दोनों पक्षों को थाने पर लाया गया, चूंकि दोनों छात्र हैं और किसी को

चोट नहीं आई थी। ऐसे में दोनों पक्ष के परिजनों ने सुलह कर लिया। दोनों वाहन थाने पर है। गो-तस्करी रोकने के लिए गश्त बढ़ाने का निर्देश चौबेपुर थाना क्षेत्र में पहुंचे एडिशनल सीपी (अपराध) राजेश कुमार सिंह ने कहा कि गो तस्करी सहित अन्य अवैध गतिविधियों में पकड़े जाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

वसूली पर विधायक ने शासन को भेजा पत्र

बस्ती। विधायक कप्तानगंज कवींद्र चौधरी ने शासन को भेजे गए पत्र में कहा है कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान बड़ी संख्या में किसानों की ओर से आरोप लगाया गया कि बलरामपुर चीनी मिल इकाई बभनान के गन्ना क्रय केंद्रों पर गन्ना उतरवाई के नाम पर 100-150 रुपये वसूली कराई जा रही है। गन्ना क्रय केंद्रों पर लोडिंग के लिए ट्रक उपलब्ध न रहने पर किसानों के गन्ना लदे वाहनों को 3-4 दिन खड़ा रखा जाता है और मिल गेट एवं वा क्रय केंद्रों पर घट तौली भी हो रही है। विधायक ने कहा है कि पूर्व में आदेश हुआ था कि गन्ना क्रय केंद्रों पर किसानों से लोडिंग-अनलोडिंग के नाम पर शुल्क लिए जाएंगे तो तौल लिपिकों एवं चीनी मिलों का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मांग किया है कि किसानों के हित में सभी गन्ना क्रय केंद्रों की बाहरी टीम से शुल्क वसूली एवं घट तौली की जांच कराई जाए। क्रय केंद्रों पर जिस दिन किसानों के वाहन पहुंचे उसी दिन अनलोडिंग कराने के लिए उचित कार्रवाई करें।

रेट लिस्ट न लगाने वाले खाद दुकानदारों पर होगी कार्रवाई

बस्ती। जिला कृषि अधिकारी डॉ. बाबूराम मौर्य ने कहा कि रेट लिस्ट लगाने वाले खाद दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शनिवार की शाम को कई दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने सल्टोआ क्षेत्र के शुक्ला खाद भंडार का किया। मौके पर स्टॉक बराबर पाया गया। 90 बोरी खाद भी उपलब्ध मिली। इसके अलावा बी पैक्स सहकारी समिति सल्टौआ बंद पाया गया। उन्होंने बताया कि अंकित कृषि सेवा केंद्र डगडउआ के निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद किसान अर्जुन चौधरी, अजय कुमार ने बताया कि यूरिया निर्धारित दर उपलब्ध कराई गई। यहां 80 बोरी यूरिया उपलब्ध थी। मौके पर खाद पर देय अनुदान बोर्ड और बिक्री रजिस्टर अद्यतन नहीं पाए जाने के कारण नोटिस जारी किया गया।

पुलिस ने दो युवकों को उठाया पर अपहर्ता को नहीं खोज पाई

लालगंज। थाना क्षेत्र के एक गांव से 21 दिसंबर को अपहत की गई 19 वर्षीय युवती को पुलिस सात दिन बाद भी नहीं खोज पाई। जबकि इस मामले की मॉनिटरिंग खुद एसपी अभिनंदन कर रहे हैं। अपहर्ता को खोजने के लिए पुलिस की टीमें भी गठित की गई हैं। उधर, युवती के भाई का कहना है कि सीओ का फोन उसके पास आया था। उन्होंने कहा है कि दो युवकों को बैठाकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि, पुलिस इससे साफ इनकार कर रही है। शिक्षिका बेटी के अपहरण के मामले में पुलिस के शुरूआती ढुलमुल रवैये और अपहताओं की धमकियों से आहत होकर पिता ने बुधवार की रात को बाथरूम में फंदे से लटक कर जान दे दी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी हैंगिंग की पुष्टि हुई है। इसके बाद पुलिस की नींद टूटी। आनन-फानन गांव के ही मुख्य आरोपी समेत चार लोगों पर पुलिस ने अपहरण के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई तेज कर दी, मगर यह तेजी किसी काम की नहीं दिख रही है। सूत्र बता रहे हैं कि युवती जिले के बाहर है। सर्विलांस सेल ने उसका और अपहरणकर्ता का लोकेशन भी पता लगा लिया था, मगर पुलिस के पहुंचने से पहले दोनों ने ठौर बदल लिया।

छह दिन से लापता युवक का शव मिला

बस्ती। छह दिन से लापता 38 वर्षीय युवक का शहर के बड़ेबन चौकी के समीप लिंक रोड के निकट एक नाले में शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव की पहचान संदीप गोंड के रूप में होने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक कोतवाली थानाक्षेत्र के मड़वा नगर ननासी 38 वर्षीय संदीप गोंड 21 दिसंबर को दिन में करीब 11 बजे अचानक घर से लापता हो गया। काफी समय तक खोजबीन करने के बाद परिवार के लोगों ने कोतवाली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराया। पुलिस उसकी खोजबीन कर ही रही थी कि शनिवार को दोपहर बड़ेवन मूड़घाट के पास एक पुलिया के नीचे नाले में अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली। जिसकी पहचान संदीप के रूप में हुई। कोतवाल दिनेश चंद्र चौधरी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। प्रथम दृष्ट्या नशे की हालत में पुलिया से नीचे गिरने से मौत होने की बात सामने आ रही है।

दो अंतरजनपदीय चोर गिरफ्तार, बाइक बरामद

बस्ती। कलवारी पुलिस ने अंतरजनपदीय बाइक चोर गिरोह का शनिवार को पदार्फाश किया है। दुबौली-रामजानकी मार्ग मोड़ के पास दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास चोरी की अपाची बाइक बरामद की है। बाइक 25 दिसंबर की रात ग्राम कुसौरी से चोरी की गई थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिषेक निगम निवासी ग्राम तिसाह थाना कलवारी और रियाज चुड़िहार पुनिवासी ग्राम मदनपुरा थाना कप्तानगंज के रूप में हुई है। सीओ कलवारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि थानाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम रात्रि गश्त पर थी। इसी दौरान भेड़िया-दुबौली मार्ग की ओर से आ रही एक संदिग्ध अपाची बाइक को रोकने की कोशिश की गई। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने लगे, मगर वाहन फिसलने से गिर पड़े। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि ग्राम कुसौरी से बाइक चोरी की थी और बेचने के उद्देश्य से ले जा रहे थे।

दहेज उत्पीड़न में पांच पर प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। लालगंज पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में शनिवार को पति समेत पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के ताड़ीजोत निवासी गुड़िया देवी ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनकी बेटी ज्योत्सना गौतम को दहेज के लिए ससुरालियों ने प्रताड़ित किया। आठ दिसंबर को दहेज में एक लाख रुपये, सोने की चेन और कार की मांग की। इसे पूरा न कर पाने पर बेटी को अपशब्द कहा। मारपीट कर घर से निकाल दिया और जान से मारने की धमकी दी गई। एसएचओ संजय कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी पति अतुल कुमार, जेठ प्रमोद कुमार, जेठानी प्रमिला, भतीजा जय कुमार निवासी राजाजीपुरम लखनऊ और ननद मीरा देवी पर दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

छठवीं कक्षा से बच्चों को दिया जाएगा व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण

बस्ती। माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा छह से आठवीं तक के बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही तकनीक, नवाचार और रोजगारपरक कौशल से जोड़ा जाएगा। इसके लिए इन छात्रों को कक्षा छह से व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अब तक कक्षा नौ से 12वीं तक के बच्चों व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही थी। जनपद में माध्यमिक शिक्षा परिषद के 401 विद्यालय संचालित हैं। इनमें 16 राजकीय हाईस्कूल व छह राजकीय इंटर कॉलेज शामिल हैं। इन विद्यालयों में कक्षा छह से बच्चों की पढ़ाई कराई जाती है। कक्षा नौ से 12वीं तक के बच्चों को विषय पढ़ाई के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा भी दी जा रही है। अब शासन ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत कक्षा छह से आठवीं तक के बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही तकनीक, नवाचार और रोजगारपरक कौशल से जोड़ने की पहल की है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पंत को मौका मिलना मुश्किल

नई दिल्ली। भारतीय टीम को अब न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। बीसीसीआई ने टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है और आने वाले कुछ दिनों में वनडे सीरीज के लिए भी टीम का एलान कर दिया जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अगले महीने तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी जिसके लिए अगले कुछ दिनों में भारतीय टीम घोषित हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस सीरीज के लिए ऋषभ पंत का टीम में चयन मुश्किल है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 11 जनवरी से यह वनडे सीरीज खेली जाएगी। अगर पंत को मौका नहीं मिलता है तो विकेटकीपर ईशान किशन के लिए दरवाजे खुल सकते हैं। ईशान को विश्व कप टीम में मिली थी जगह ईशान को हाल ही में टी20 विश्व कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भी टीम में शामिल किया गया था। ईशान ने घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में वापसी की है।

इस्कॉन मंदिर देगा 7 हजार बच्चों को गीता की शिक्षा

भगवान जगन्नाथ पहुंचे दौलतगंज

ग्वालियर

'अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ' द्वारा ग्वालियर में भगवान जगन्नाथ के मंदिर (इस्कॉन मंदिर) का संचालन किया जा रहा है। पहले यह मंदिर नया बाजार में एक किराए के मकान में स्थित था। अब यह मंदिर दौलतगंज स्थित श्री रामनारायण धर्मशाला में स्थापित किया गया है। वहीं इस्कॉन द्वारा अपने प्रकल्पों के अंतर्गत एक प्रतियोगिता के माध्यम से धार्मिक शिक्षा देने के लिए विभिन्न स्कूलों के सात हजार बच्चों का चयन भी किया गया है। इस संबंध में यह प्रतियोगिता 26 जनवरी को ऑनलाइन होगी, जिसमें भागवत गीता से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। विजयी बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में नया बाजार के एक मकान में इस मंदिर की स्थापना की गई थी जिसका किराया 50 हजार रुपए था। इसके बाद वर्ष 2025 में यह मंदिर चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्रीकृष्णदास गर्ग के सुपुत्र राजकुमार गर्ग एवं विजय गर्ग ने अपने पुरखों की रामनारायण धर्मशाला के तृतीय तल पर एक विशाल कक्ष और कमरों का निर्माण कराकर इसमें भगवान जगन्नाथ, बलदेव और बहन सुभद्रा की काष्ठ की अद्भुत प्रतिमाएं विराजित कराई गईं हैं। श्री गर्ग द्वारा मंदिर प्रबंधन को यह स्थान निःशुल्क दिया गया है। वातानुकूलित कक्ष में सैकड़ों भक्तों के बैठने की व्यवस्था है। इतना ही नहीं यहां लिफ्ट भी लगाई जा रही है, ताकि बुजुर्ग और दिव्यांग सुगमता से यहां पहुंच सकें। यहां भक्तों के ठहरने के लिए भी विशेष व्यवस्था है। मंदिर शहर के मध्य होने से भक्त बड़ी संख्या में यहां दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

विद्यार्थी यहां पहुंचकर करते हैं कीर्तन

सेवा प्रकल्प के अंतर्गत इस्कॉन द्वारा 7 हजार विद्यार्थियों को धर्म की शिक्षा देने के लिए चयनित किया गया है। कई विद्यार्थी यहां पहुंचकर भगवान का कीर्तन भी करते हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा जरूरतमंदों को भोजन का वितरण भी किया जाता है। साथ ही विद्यार्थियों को धार्मिक यात्राएं भी कराई जाती हैं।

प्रतिदिन होती है सात आरती

मंदिर में प्रतिदिन सात आरती होती हैं। मंगला आरती प्रात: 4:30 बजे, नृसिंह आरती प्रात: 4:50 बजे, तुलसी आरती प्रात: 5 बजे, दर्शन आरती प्रात: 7:15 बजे, गुरु पूजा प्रात: 7:30 बजे, राजभोग आरती दोपहर 12:30 बजे, संध्या आरती शाम 6:30 बजे होती है।

इनका कहना है

'मंदिर का संचालन पहले नया बाजार में होता था जिसके लिए हमें 50 हजार रुपए प्रतिमाह किराया देना होता था। अब यह मंदिर दौलतगंज में पहुंच गया है, जहां आकर भक्त भगवान के दर्शन कर सकते हैं। मंदिर प्रबंधन को जो स्थान दिया गया है वह पूर्ण रूप से निःशुल्क है। अब हम अपने बचे हुए पैसे को सेवा प्रकल्प में उपयोग कर सकते हैं। हमारे द्वारा 26 जनवरी को 7 हजार बच्चों के लिए श्रीमद् भागवत गीता पर एक ऑनलाइन प्रतियोगिता भी कराई जा रही है।'

महेन्द्र प्रभु जी
इस्कॉन अध्यक्ष

'दौलतगंज में आकर भगवान ने स्वयं अपना स्थान चुना है। मेरे बाबा भगवान जगन्नाथ के बहुत बड़े भक्त थे। भगवान दर्शन के बिना जल भी ग्रहण नहीं करते थे। धर्मशाला के ऊपर भगवान जगन्नाथ की स्थापना कर मन को काफी सुकून मिला है।'

विजय गर्ग
संचालक किडीज कॉर्नर स्कूल

20 किलो गांजा के साथ पकड़े समीर खान को सात वर्ष का कारावास

ग्वालियर

विशेष न्यायाधीश एनडी पीएस नवनीत कुमार वालिया ने इंदरगंज थाना क्षेत्र के कर्नल साहब की डयोढ़ी गेंडे वाली सड़क पर मादक पदार्थ 20 किलो 100 ग्राम गांजा के साथ पकड़े आरोपी समीर खान को 7 वर्ष के कारावास एवं 20 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अतिरिक्त लोक अभियोजक धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि घटना 17 दिसंबर 2022 की है जब इंदरगंज थाना पुलिस को सूचना मिली की गेंडेवाली सड़क पर एक व्यक्ति भारी मात्रा में गांजा बेच रहा है। प्रधान आरक्षक हेमंत ने स्वतंत्र साक्षी गजेन्द्र शिवहरे के साथ समीर खान को गांजा बेचते हुए धर पकड़ा। उसके पास से 20 किलो 100 ग्राम गांजा प्राप्त हुआ।

झूठी प्राथमिकी दर्ज कराने वाले व्यापारी की जमानत निरस्त

ग्वालियर। दानाओली के मशहूर हलवाई ओमजी फैनी वाले दिनेश खण्डेलवाल की जमानत न्यायालय ने निरस्त कर दी है। खण्डेलवाल पर आरोप है कि उन्होंने निजी लाभ के लिए कपिल शर्मा, आलोक जैन एवं अन्य दो के खिलाफ रात में घर पर हमला कर मारपीट की है। जिसकी प्राथमिकी उनके द्वारा 14 दिसंबर को कोतवाली थाना में दर्ज कराई थी। बाद में जांच में पाया गया कि व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण झूठी प्राथमिकी दर्ज कराई गई। 21वें अपर सत्र न्यायाधीश नवनीत कुमार वालिया ने खण्डेलवाल की जमानत निरस्त कर दी। उनके खिलाफ पूर्व से कोतवाली थाना दो आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं। इस मामले में शासन की ओर से पक्ष धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने रखा।

गुरुद्वारे में सजा कीर्तन दरबार

ग्वालियर

सिख समाज द्वारा गुरु गोविंद सिंह के चार साहबजादों की शहादत को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें आगरा से आए रागी गुरशरण सिंह व साथियों द्वारा कीर्तन 'दर्शन हर देखण के ताई' गायन कर संगत को निहाल किया। कार्यक्रम देर रात तक चला। इस मौके पर बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण हुआ।

198वां समाधि महोत्सव 24 से

हठयोगी संत श्री सद्गुरू अण्णा महाराज का 198वां समाधि महोत्सव 24 जनवरी से 1 फरवरी तक मनाया जाएगा। इस संबंध में गत दिवस महंत मनीष विट्ठल अण्णा महाराज की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें अण्णा महाराज ने कहा कि सदैव दूसरों के लिए अच्छे विचार और अच्छी सोच रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम जो बोते हैं वहीं काटते हैं। बैठक में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई। इस अवसर वरिष्ठ समाजसेवी प्रांशु शेजवलकर और डॉ. जयवीर भारद्वाज, भाजपा नेता आशीष प्रताप सिंह राठौड़, सुमित बंसल, त्रिलोक सिंह राठौर, सुनील चितले, वंदना खटीक, शोभा राठौर आदि उपस्थित रहे।

भागवत कथा के लिए हुआ भूमि पूजन

श्री कृष्णाश्रयाश्रय परिवार द्वारा 10 जनवरी से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गत दिवस कोठारी एवं चावला चौराहा के मध्य भूमि पूजन किया गया। जिसमें महिलाओं द्वारा मंगल गीत गाए गए। इस अवसर पर राजकुमार मिश्रा, देव सिंह चौहान, एसके तिवारी, धर्मेन्द्र सिंह, केके चतुर्वेदी, रवि भूषण पाठक, अनिरुद्ध चतुर्वेदी, जितेंद्र गोस्वामी, अंजू सेंगर, उदयवीर सिंह तोमर आदि उपस्थित रहे।

महा समवशरण विधान 29 से

उपाध्याय श्री विहसंत सागर के सानिध्य में विधानाचार्य संदीप शास्त्री के मार्गदर्शन में 29 से 31 दिसंबर तक 'तीन चौबीसी तीर्थंकरों' के साथ महा समवशरण विधान होगा। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि होने वाले विधान में शामिल होने के लिए लश्कर, मुरार, किलागेट से निशुल्क लोगों के लिए उपलब्ध रहेंगी।

बैंक्वेट ग्वालियर में श्रीमद भागवत कथा 29 से : बरसैंया परिवार लहार एवं ग्वालियर द्वारा मंथन बैंक्वेट ग्वालियर में 29 दिसंबर से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। भण्डारा एवं पूर्णाहुति 5 जनवरी को होगी। कथा का वाचन हेमलता शास्त्री द्वारा किया जाएगा।

चित्रगुप्त धाम पर महाआरती आज : माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम के समीप स्थित चित्रगुप्त धाम पर 28 दिसंबर रविवार को शाम 4:30 बजे 32वीं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी मंदिर संस्थापक पवन भटनागर एवं नूतन श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से दी।

निगम बजट लगभग 2322 करोड़ का

एमआईसी में चार दिन मंथन के बाद होगा अंतिम फैसला

ग्वालियर

नगर निगम द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 2322 करोड़ रुपए के बजट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रस्तावित बजट में शहर की मूलभूत समस्याएं सीवर, पेयजल और जर्जर सड़को के समाधान पर विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए अमृत योजना 2.0, लोक निर्माण विभाग सहित विभिन्न विभागों में करोड़ों रुपए के प्रावधान किए गए हैं।

सूत्रों के अनुसार निगमायुक्त संघप्रिय ने बीते वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 22 करोड़ रुपये कम आय दर्शाते हुए प्रारंभिक बजट प्रस्ताव मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) को भेजा है। अब सोमवार से गुरुवार तक लगातार चार दिन विभागीय प्रमुखों के साथ बैठकें कर एमआईसी बजट के प्रत्येक मद पर विस्तार से चर्चा करेगी, जिसके बाद अंतिम प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने 2513 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया था। उस दौरान तत्कालीन निगमायुक्त द्वारा 24 करोड़ रुपए का लाभ दर्शाया गया था, लेकिन एमआईसी द्वारा गहन समीक्षा के बाद संशोधित बजट में शुद्ध लाभ मात्र 10.48 लाख रुपए दिखाते हुए निगम परिषद से पारित कराया गया था। इस बार भी उसी तर्ज पर बजट के आंकड़ों को संतुलित करने की कवायद की जा रही है। प्रारंभिक प्रस्ताव में जनकार्य विभाग के लिए सबसे अधिक लगभग 600 करोड़ रुपये रखे गए हैं, जबकि अमृत योजना 2.0 के तहत सीवर और जल कार्यों के लिए 917 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा विद्युत, पीएचई, फायर, पार्क, ई-बस सेवा, सौर ऊर्जा और नाले-नालियों के सुधार जैसे कार्यों के लिए अलग-अलग राशि तय की गई है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार महापौर, सभापति और पार्षदों की मौलिक निधि में किसी प्रकार की बढ़ोतरी नहीं की गई है। पिछले वर्ष निधि बढ़ाने को लेकर हुए विवाद और बजट पर पड़े असर को देखते हुए निगम लेखा विभाग ने इस विषय से फिलहाल दूरी बना ली है।

विभागवार प्रस्तावित बजट (प्रारंभिक)

जनकार्य विभाग - लगभग 600 करोड़
अमृत योजना 2.0 - 917 करोड़
विद्युत विभाग - 88 करोड़
फायर विभाग - 4 करोड़
पीएचई - 49 करोड़
कार्यशाला - 74.89 करोड़
उद्यान/पार्क - 11 करोड़
सामान्य प्रशासन (त्रेष) - 8 करोड़
पीएम ई-बस सेवा - 16 करोड़
सौर ऊर्जा - 6.20 करोड़
चार्जिंग स्टेशन - 1 करोड़
नाले-नालियां - 10 करोड़
सीएम इंफ्रा - 7 करोड़

बॉक्स

इस दिन इन बिन्दुओं पर होगी चर्चा
सोमवार : लोक निर्माण, उद्यानिकी, राजस्व
मंगलवार : जनकार्य, सीवरेज, जलकार्य
बुधवार : विद्युत, वित्त, स्वच्छ भारत मिशन
गुरुवार : यातायात, सूचना प्रौद्योगिकी, शहरी गरीबी उपशमन

ब्राह्मण महासमिति की कार्यकारिणी मनोनीत

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा जनवरी में होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए शनिवार को कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष बीना भारद्वाज, सामूहिक विवाह सम्मेलन अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष रश्मि त्रिपाठी, संयुक्त अध्यक्ष निशा शुक्ला, संगीता शर्मा, रेनू शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. वंदना भूपेंद्र प्रेमी, अलका मिश्रा, डॉ. अनुराधा तिवारी उपाध्यक्ष श्वेता शर्मा, निशा उपाध्याय, अर्चना राम पाठक, महामंत्री रचना गौड़, संगठन मंत्री किरण मिश्रा एवं संयुक्त महामंत्री मंजू मिश्रा, शशि शर्मा एवं लक्ष्मी पाराशर बनीं।

तरेटिया बने राष्ट्रीय महासचिव

ग्वालियर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय अधिवेशन में आरएस तरेटिया को राष्ट्रीय महासचिव एवं श्रीमती भारद्वाज को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

आशीष अध्यक्ष और अमित सचिव बने

ग्वालियर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर के सत्र 2026 हेतु नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें आशीष जैन को अध्यक्ष, अमित जैन भंडारी को सचिव एवं रूपेश जैन को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रमुखता से हो क्रियान्वयन

संभागीय आयुक्त ने गूगल मीट पर जिलाधीशों से की समीक्षा

ग्वालियर

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और कार्यक्रमों का संभाग के सभी जिलों में प्रमुखता और प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही छात्रावासों, आश्रमों एवं स्कूलों का संचालन सुव्यवस्थित रूप से हो और इसकी निरंतर निगरानी की जाए।

यह निर्देश संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने शनिवार को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित ग्वालियर संभाग के सभी जिला कलेक्टरों की समीक्षा बैठक में दिए। श्री खत्री ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जिलाधीश एवं अपर कलेक्टर अपने अधीनस्थ राजस्व अधिकारियों के कार्यालयों और न्यायालयों का निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण हो और लिए गए निर्णयों पर अमल भी किया जाए। उन्होंने एयर एम्बुलेंस सेवा का लाभ जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाने के लिए जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा स्वास्थ्य विभाग को सहयोग के निर्देश दिए। सर्दी के मौसम को देखते हुए सभी आश्रमों, छात्रावासों और स्कूलों में बच्चों के लिए सर्दी से बचाव के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित करने के साथ ही बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था कराने के निर्देश भी दिए। संभागीय आयुक्त ने दुग्ध संघ की पुरानी समितियों को सक्रिय करने एवं नई समितियों के गठन, जिला विकास एवं सलाहकार समितियों की नियमित बैठकें आयोजित करने तथा सभी गौशालाओं के निरीक्षण कर उनके संचालन में आने वाली बाधाओं को तत्परता से दूर करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत पलायछा में सरपंच पद के लिए निर्वाचन कल

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए 47 लोगों पर बाउंडओवर की कार्रवाई

भितरवार

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित पंचायत उप निर्वाचन-2025 (उत्तरार्द्ध) के तहत ग्वालियर जिले की जनपद पंचायत भितरवार की ग्राम पंचायत पलायछा में सोमवार 29 दिसंबर को सरपंच पद का निर्वाचन होगा। पलायछा स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 202, 203 एवं 204 पर प्रातः 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक मतदान संपन्न कराया जाएगा। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत पलायछा में 47 लोगों के विरुद्ध बाउंडओवर की कार्रवाई की गई है।

जिलाधीश एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्रीमती रुचिका चौहान ने चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट, सेक्टर अधिकारी, पुलिस अधिकारी एवं चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति कर दी है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नायब तहसीलदार भितरवार हरनाम सिंह को सेक्टर मजिस्ट्रेट, उपयंत्री जनपद पंचायत भितरवार को सेक्टर अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनगढ़ के चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल गांधी को चिकित्सा अधिकारी तथा थाना बेलगढ़ा के एएसआई श्री रामदयाल सिंह परिहार को पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त अनुविभागीय दंडाधिकारी भितरवार एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी संपूर्ण कानून व्यवस्था की निगरानी करेंगे। जनपद पंचायत भितरवार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि मतदान से एक दिन पूर्व ही सभी मतदान केंद्रों पर मतदान दलों के ठहरने, भोजन, पेयजल, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

20 कांस्य, आठ रजत और एक स्वर्ण पदक जीते

मप्र के खिलाड़ियों ने दिखाया जलवा

ग्वालियर

उत्तराखंड के हल्द्वानी जिले में स्थित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में 19-23 दिसंबर तक जुजुत्सु राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मध्य प्रदेश के ग्वालियर, भिंड व दतिया जिले से 54 खिलाड़ियों ने अपने वजन में अपना दम दिखाया। मध्य प्रदेश की ओर से ग्वालियर, भिंड व दतिया से गए खिलाड़ियों ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए 29 पदक हासिल किए। जिसमें 20 कांस्य पदक, 8 रजक पदक और एक स्वर्ण पदक हैं। कोच जवान सिंह कुशवाह के मार्गदर्शन में इन खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि अपने जिले और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। इन खिलाड़ियों में लवेश नायक और कृष्णा का जुलाई महीने में कजाकिस्तान में होने जा रही 'एडिशन एशियाई चैंपियनशिप' के लिए चयन किया गया है। लवेश नायक ने सात स्टेट के खिलाड़ियों को हरा कर स्वर्ण पदक जीता। अनिकेत , माही , प्रतीक्षा, कृष्णा, प्राची, अन्नू और अन्य खिलाड़ियों ने अपने अपने वजन मै पदक जीते । दतिया से कोच दर्शिका सक्सेना, ग्वालियर से निवेदन, नीलम, मोहित आकाश मिश्रा उनके मार्गदर्शन में अच्छा प्रदर्शन किया।

सड़क-सीवर उखाड़े, कॉलोनाइजर का कार्यालय ध्वस्त

अवैध कॉलोनी पर चला निगम का बुलडोजर

ग्वालियर

शहर में तेजी से पनप रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को निगम ने ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 55 अंतर्गत अवाडपुरा इलाके में कार्रवाई करते हुए करीब दो बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया।

नगर निगम सिटी प्लानर महेन्द्र अग्रवाल एवं भवन अधिकारी पवन शर्मा के नेतृत्व में निगम की टीम शनिवार को अवाडपुरा क्षेत्र में पहुंची, जहां ग्राम गुड्डी के सर्वे क्रमांक 281, 283 एवं 288 पर बिना किसी अनुमति के कॉलोनी विकसित की जा रही थी। टीम ने मौके पर जेसीबी मशीन की मदद से कॉलोनी में डाली गई सड़कों के साथ-साथ सीवर व पानी की पाइप लाइनों को उखाड़ दिया।

कार्रवाई यहीं तक सीमित नहीं रही। अवैध कॉलोनी काटने वालों द्वारा बिक्री और बैठने के उद्देश्य से तैयार किया गया एक कमरे का अस्थायी कार्यालय भी निगम द्वारा तोड़ दिया गया।

मौके पर पुलिस बल की मौजूदगी के कारण अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों द्वारा किसी भी प्रकार का विरोध नहीं किया गया और पूरी कार्रवाई शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इस कार्रवाई के दौरान क्षेत्राधिकारी सौरभ शाक्य सहित मदाखलत अमला भी मौके पर मौजूद रहा।

अग्र सेवा संस्थान का ग्यारस उद्यापन 29 एवं 30 जनवरी को

ग्वालियर

अग्र सेवा संस्थान द्वारा 29 एवं 30 जनवरी को सिद्धबाबा की पहाड़ी मंदिर मुरैना बाई पास रोड पर सर्व समाज के 101 जोड़ों हेतु दो दिवसीय सामूहिक एकादशी उद्यापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन गत दिवस किया गया। यह आयोजन सर्व समाज के ऐसे लोगों के लिए हैं जो संसाधनों के अभाव में ग्यारस उद्यापन नहीं करा पाते। कार्यक्रम में 101 जोड़ों का उद्यापन होगा।

भाग लेने वालों को खाली हाथ आना है। सारी व्यवस्थाएं पूजन, हवन, प्रसादी, दक्षिणा ,दान आदि की संपूर्ण व्यवस्था संस्था द्वारा की जा रही है। उद्यापन के इच्छुक लोग 9229588842, 9425114719 एवं 9691021512 पर संपर्क कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2026 रखी गई है। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में अजय कुमार जैन, श्रीराम गोयल, अशोक गुप्ता, एसएस अग्रवाल, रविशंकर अग्रवाल, रवि गुप्ता, नवल किशोर गोयल, नीलम गर्ग, ज्योति अग्रवाल, भारती अग्रवाल, प्रतिभा गुप्ता, दीपक बंसल, सोम अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, रवि अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, पीसी गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

लोग वही करने को राजी होते हैं, जो उन्हें दिलचस्प लगता है

दिसंबर की कड़ाके की ठंड में अगर दो लोग फुटपाथ पर खड़े होकर कहें कि क्या आप अपनी नाक में रूई का फाहा डालेंगे, तो क्या साइंस की खातिर आप ऐसा करेंगे? शायद हां, या शायद नहीं। लेकिन अगर वे हर फाहे के बदले आपको 50 रुपए दें, तब क्या आप करेंगे? बहुत संभव है, हां। और तब आप घर पहुंचकर यह दावा भी कर सकते हैं कि मैं विज्ञान के लिए ठंड में खड़ा रहा। इस महीने अमेरिका के बोस्टन में दो लोगों ने राहगीरों से यही करने को कहा। इसके लिए उन्होंने न सिर्फ उन्हें दो डॉलर का भुगतान किया, बल्कि ऐसा करने का यह ठोस कारण भी बताया कि वे अगली बड़ी महामारी की जल्दी पहचान में योगदान देने जा रहे हैं। शुरूआत में बहुत कम लोग इसके लिए राजी हुए, लेकिन शाम ढलते-ढलते उनकी संख्या सैकड़ों में पहुंच गई। हर स्वैब के साथ साइमन ग्रिम यह समझने के अपने लक्ष्य के और करीब पहुंचते चले गए कि आबादी में कौन-से रोगाणु घूम रहे हैं। वे सिक्योरबायो में तकनीकी कार्यक्रम प्रबंधक हैं और वैज्ञानिकों की उस टीम का हिस्सा हैं, जो बीमारियों के प्रसार पर नजर रखने के नए तरीके विकसित कर रही है। पिछले 6 महीने से चल रही इस मुहिम में उनकी टीम ने 20,000 डॉलर खर्च करके 10,000 सैम्पल्स एकत्र कर लिए हैं। कोविड की तरह दूसरे रोगाणु भी हवा के जरिए फैलते हैं। वैज्ञानिकों को पता था कि अगर कोई व्यक्ति संक्रमित न हो, तब भी वायरस अकसर उसकी नाक के भीतर बने रहते हैं। पर्याप्त लोगों की जांच करने के बाद ग्रिम और उनकी टीम को यकीन हो गया कि वे स्थानीय आबादी में वायरसों के प्रसार के बारे में ठीक से जानकारियां जुटा सकेंगे। कड़ाके की ठंड के बावजूद कई लोगों ने इस प्रयोग के लिए हां कहा, और महज 2 डॉलर के लिए ही नहीं। डोनर्स के अलग-अलग कारण थे। कुछ ने कहा, मैंने यह कीटाणुओं के फैलाव को रोकने के लिए कियाय कुछ अन्य ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि हम सभी सुरक्षित रहेंय वहीं युवा छात्रों का कहना था, हम टीके तैयार करने में मदद करके लोगों की रक्षा करना चाहते हैं। सभी सैम्पल्स स्वेच्छा से और गुमनाम रूप से दिए गए। इसके बाद सैम्पल्स को एक प्रयोगशाला में ले जाया गया, जहां जीन-सीक्वेंसिंग मशीनों ने इन्फ्लुएंजा, पोलियो, कोविड सहित कई संक्रामक वायरसों में पाए जाने वाले जेनेटिक मटैरियल्स की पहचान की। इसके बाद वे ऐसे वायरसों की भी पहचान करेंगे, जो ज्ञात रोगाणुओं के समान नहीं हैं, लेकिन जेनेटिक रूप से उनके इतने निकट जरूर हैं कि उनकी गहन निगरानी की आवश्यकता है। यदि ऐसे नए वायरस स्वैब परीक्षणों में बार-बार सामने आने लगें, तो यह इस बात का स्पष्ट संकेत होगा कि वे आबादी में फैल रहे हैं। यदि यह पद्धति प्रभावी सिद्ध होती है, तो यह भविष्य की महामारियों के लिए एक राष्ट्रीय प्रारम्भिक चेतावनी प्रणाली का हिस्सा बन सकती है। इस सप्ताह मुझे इस गतिविधि की तब याद आई, जब गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मीडिया से कहा कि उनकी सरकार एक्यूआई को सुधारने, सार्वजनिक परिवहन को सुचारु बनाने और अंतरराष्ट्रीय मानकों की खेल सुविधाएं विकसित करने को प्राथमिकता देगी, ताकि 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की अच्छे से मेजबानी की जा सके। उन्होंने कहा कि उनकी टीम प्रक्रियाओं को सरल बनाएगी, समय पर काम पूरे करेगी और परिणामों को सुनिश्चित करेगी। यह बहुत बड़ा लक्ष्य है, जिसमें स्पष्ट रूप से स्थानीय आबादी की भागीदारी आवश्यक होगी। आने वाले चार वर्षों में यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थानीय लोग न केवल बुनियादी ढांचा तैयार करने, बल्कि सार्वजनिक परिवहन को तेज और प्रभावी बनाने तथा वायु गुणवत्ता को उस स्तर पर बनाए रखने में भी कैसे योगदान देते हैं, जहां खिलाड़ी और खेल जगत की हस्तियां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यदि इस आयोजन को वैश्विक मानक बनाना उद्देश्य है, तो इसमें स्थानीय लोगों के व्यापक योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब यह देखना है कि सरकार स्थानीय नागरिकों को इस लक्ष्य में सहभागी बनाने के लिए क्या कदम उठाती है।

मायावती की सर्वजन राजनीति ने दलितों के आंबेडकरवादी राजनीतिक

“ डॉ. आंबेडकर के लिए राजनीतिक सत्ता सामाजिक लोकतंत्रकृस्वतंत्रता, समानता और बंधुत्वकृकी स्थापना का साधन थी। मायावती के शासनकाल में आंबेडकरवादी राजनीति धीरे-धीरे सत्ता-केन्द्रित होती गई, जहाँ चुनावी सफलता और प्रशासनिक स्थिरता वैचारिक संघर्ष से अधिक महत्वपूर्ण हो गई। उनका शासन मुख्यत: निम्न माध्यमों से संचालित हुआरू नौकरशाही नियंत्रण कल्याणकारी योजनाएँ एवं प्रतीकात्मक राजनीति परंतु जाति उन्मूलन, संवैधानिक नैतिकता और सामाजिक लोकतंत्र जैसे आंबेडकरवादी प्रश्न पीछे छूटते गए। परिणामस्वरूप दलित राजनीति दृश्य तो हुई, पर वैचारिक रूप से दुर्बल। मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी एक अत्यधिक केंद्रीकृत संगठन बन गईरू नेतृत्व व्यक्तिनिष्ठ हो गया, आंतरिक विमर्श हतोत्साहित हुआ और स्वतंत्र आंबेडकरवादी विचारकों और कैडर नेताओं को हाशिए पर डाल दिया गया आंबेडकर ने शिक्षा, बहस और सामूहिक नेतृत्व को लोकतंत्र की आत्मा माना था।

एस आर दारापुरी

मायावती का भारतीय राजनीति में उदय दलित इतिहास का एक असाधारण क्षण था। एक दलित महिला का देश के सबसे बड़े राज्य की मुख्यमंत्री बनना सत्ता, सम्मान और दृश्यता का प्रतीक था। कांशीराम द्वारा स्थापित बहुजन राजनीतिक ढाँचे के अंतर्गत मायावती की राजनीति ने चुनावी एकीकरण, प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक नियंत्रण पर विशेष बल दिया। किन्तु इन उपलब्धियों के साथ-साथ, मायावती की बहुजन राजनीति ने आंबेडकरवादी राजनीतिक, सामाजिक और बौद्ध आंदोलनों पर गहरे और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव भी डाले। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ा, परंतु आंबेडकरवाद के वैचारिक, सामाजिक सुधारक और नैतिक-धार्मिक आयाम कमजोर होते चले गए। यह आलेख इन प्रभावों का तीन स्तरोंकृराजनीतिक, सामाजिक और बौद्धकृपर आलोचनात्मक विश्लेषण करता है। डॉ. आंबेडकर के लिए राजनीतिक सत्ता सामाजिक लोकतंत्रकृस्वतंत्रता, समानता और बंधुत्वकृकी स्थापना का साधन थी। मायावती के शासनकाल में आंबेडकरवादी राजनीति धीरे-धीरे सत्ता-केन्द्रित होती गई, जहाँ चुनावी सफलता और प्रशासनिक स्थिरता वैचारिक संघर्ष से अधिक महत्वपूर्ण हो गई। उनका शासन मुख्यतः निम्न माध्यमों से संचालित हुआरू नौकरशाही नियंत्रण कल्याणकारी योजनाएँ एवं प्रतीकात्मक राजनीति परंतु जाति उन्मूलन, संवैधानिक नैतिकता और सामाजिक लोकतंत्र जैसे आंबेडकरवादी प्रश्न पीछे छूटते गए। परिणामस्वरूप दलित राजनीति दृश्य तो हुई, पर वैचारिक रूप से दुर्बल। मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी एक अत्यधिक केंद्रीकृत संगठन बन गईरू नेतृत्व व्यक्तिनिष्ठ हो गया, आंतरिक विमर्श हतोत्साहित हुआ और स्वतंत्र आंबेडकरवादी विचारकों और कैडर नेताओं को हाशिए पर डाल दिया गया आंबेडकर ने शिक्षा, बहस और सामूहिक नेतृत्व को लोकतंत्र की आत्मा माना था। इनके अभाव में जब बसपा का चुनावी पतन

हुआ, तो आंदोलन के पास न वैचारिक ऊर्जा बची, न वैकल्पिक नेतृत्व।

आंबेडकरवादी राजनीति धीरे-धीरे बसपा के चुनावी प्रदर्शन तक सीमित हो गई। राजनीतिक चेतना चुनावों के साथ बढ़ती-घटती रही। जब पार्टी कमजोर पड़ी, तो आंबेडकरवादी राजनीति भी बिखर गई, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि स्वतंत्र वैचारिक संस्थानों का अभाव था। मायावती की सबसे बड़ी उपलब्धि प्रतीकात्मक राजनीति रही जिसमें आंबेडकर व दलित महापुरुषों की मूर्तियाँ, स्मारक और पार्क एवं सार्वजनिक स्थलों पर दलित इतिहास की उपस्थिति मुख्य थी। इससे सम्मान और आत्मगौरव की पुनर्स्थापना हुई। लेकिन इसके साथ-साथरू जन-आधारित शैक्षिक आंदोलन, भूमि सुधार, कानूनी साक्षरता एवं जातीय अत्याचारों के विरुद्ध निरंतर संघर्ष जैसे कार्यक्रम नहीं विकसित किए गए। परिणामस्वरूप सामाजिक परिवर्तन राज्य-निर्भर और अस्थायी बना रहा। स्वतंत्र दलित सामाजिक आंदोलनों को अक्सर चुनावी अनुशासन के अधीन कर दिया गया। आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और स्वायत्त संघर्षों को राजनीतिक असुविधा मानकर सीमित किया गया। इससे दलित समस्याओं के समाधान को प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित कर दिया गया, सामुदायिक सक्रियता कमजोर हुई एवं दलित जनता सक्रिय कर्ता से निष्क्रिय लाभार्थी में बदलती गई। यह स्थिति आंबेडकर की स्व-संघर्षह्व की अवधारणा के विपरीत थी। ऊपर सत्ता में प्रतिनिधित्व के बावजूद, नीचे समाज मेंरू जातिगत अपमान, पृथक्करण तथा स्कूलों व गाँवों में भेदभाव जैसी समस्याओं के विरुद्ध सतत राजनीतिक संघर्ष नहीं हुआ। इससे राजनीतिक सत्ता और सामाजिक यथार्थ के बीच गहरी खाई बनी। आंबेडकर के लिए बौद्ध धर्म परिवर्तन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सभ्यतागत क्रांति थाकृजाति-धर्म का अस्वीकार और नई नैतिक व्यवस्था की स्थापना। परंतु मायावती की राजनीति में बौद्ध धमरू चुनावी रूप से लाभकारी नहीं माना गया, व्ळब-हिंदू गठबंधनों के लिए जोखिम समझा गया जिसके फलस्वरूपरू बौद्ध शिक्षा संस्थानों को समर्थन नहीं मिला, बड़े स्तर पर धर्मांतरण अभियान नहीं चले एवं बौद्ध बौद्धिक परंपरा ठहराव का शिकार हो गई। राजनीतिक विमर्श में आंबेडकर कोरू संविधान निमार्ता, दलित प्रतीक एवं राष्ट्रीय सुधारक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि हिंदू धर्म की उनकी कट्टर आलोचना और बौद्ध धर्म को अपनाने की क्रांतिकारी दृष्टि को कमतर किया गया। इससे आंबेडकर स्वीकार्य तो बने, पर उनकी वैचारिक धार कुंद हो गई। आंबेडकरवादी बौद्ध धर्म ने दलित राजनीति को नैतिक अनुशासन, तर्कवादी चेतना एवं सार्वभौमिक मानवतावाद प्रदान किया था। इसके हाशियाकरण से राजनीति में नैतिक रिक्तता पैदा हुई, जिसेरू चुनावी अवसरवाद, लोकलुभावन कल्याण एवं व्यक्तिपूजा ने भर दिया। आंबेडकरवादकृजो कभी राजनीति, समाज सुधार और नैतिक पुनर्निर्माण का एकीकृत प्रकल्प थाकृखंडित हो गया। राजनीति बिना विचारधारा, सामाजिक दावे बिना निरंतर सुधार एवं बौद्ध धर्म बिना संस्थागत समर्थन के रह गया जिससे दलित मुक्ति की दीर्घकालिक क्षमता कमजोर पड़ी। मायावती मॉडल की सीमाओं के कारण ही, दलित छात्र आंदोलन, भीम आर्मी जैसे संगठन एवं स्वतंत्र आंबेडकरवादी बौद्धिक मंच उभरे, जो शिक्षा, संवैधानिक अधिकार और सामाजिक संघर्ष पर अधिक बल देते हैं। मायावती की बहुजन राजनीति ने दलितों को ऐतिहासिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व और प्रतीकात्मक सम्मान अवश्य दिया। यह उपलब्धि महत्वपूर्ण और अस्वीकार्य नहीं है। परंतु इसकी कीमत आंबेडकरवादी राजनीतिक, सामाजिक और बौद्ध आंदोलनों की वैचारिक क्षति के रूप में चुकानी पड़ी। चुनावी सत्ता को विचारधारा से ऊपर रखना, प्रतीक को संरचना से ऊपर रखना, और व्यवहारिकता को नैतिक-धार्मिक परिवर्तन से ऊपर रखना इन सबने स्वायत्त सामाजिक आंदोलनों को कमजोर किया, बौद्ध धर्म को हाशिए पर डाला एवं आंबेडकरवाद को चुनावी पहचान तक सीमित कर दिया आंबेडकर की मुक्ति-कल्पना त्रि-आयामी थीकृ राजनीतिक सत्ता, सामाजिक समानता और नैतिक-धार्मिक पुनर्निर्माण। मायावती ने पहले आयाम को सशक्त किया, पर शेष दो की उपेक्षा की। भविष्य की दलित राजनीति का दायित्व है कि वह इस असंतुलन को सुधारेकृ अन्यथा राजनीतिक उपलब्धियाँ क्षणिक और प्रतिवर्ती बनी रहेंगी।

योग अस्त-व्यस्त आधुनिक जीवन में संतुलन का सम्यक साधन और मौन साधना

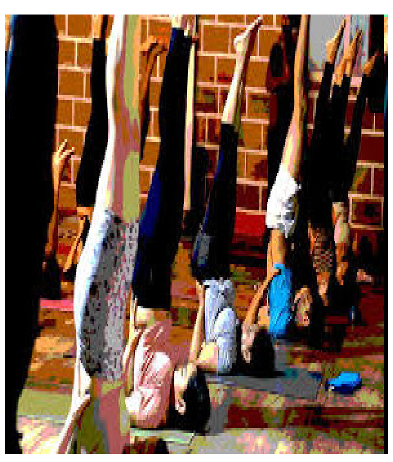

“ भारतीय अवार्चीन दर्शन की पाठशाला में योग एक ऐसा अध्याय है जो काल के साथ पुराना नहीं होता बल्कि हर युग में नया अर्थ ग्रहण करता है, योग शब्द संस्कृत की जड़ युज से निकला है जिसका अर्थ जोड़ना भी है और अनुशासन भी, और यही दो शब्द आज के मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुके हैं क्योंकि आधुनिक मनुष्य टूटा हुआ है।अपने शरीर से, अपने मन से, अपनी प्रकृति से और अपने भीतर की शांति से, योग इस टूटन को जोड़ने की कला है, जब नियमित योग अभ्यास से शरीर और मस्तिष्क के बीच एक स्वाभाविक सामंजस्य बनता है तब मन अनावश्यक अशांति से मुक्त होने लगता है और व्यक्ति परिस्थितियों को सहने नहीं बल्कि समझने लगता है, आज की जीवनशैली अनियमित भोजन, कृत्रिम स्वाद, देर रात तक जागना, मोबाइल और स्क्रीन की लत, लगातार तनाव और असुरक्षित भविष्य-बोध से भरी हुई है, ऐसे में योग किसी दवा की तरह नहीं बल्कि एक जीवन-विज्ञान की तरह काम करता है जो शरीर की आंतरिक कार्यप्रणाली को धीरे-धीरे सुधारता है, शिथिल अंगों को बिना आक्रामक हस्तक्षेप के सक्रिय करता है और मन को बाहरी शोर से हटाकर भीतर की शांति से जोड़ता है, निरोगी काया केवल रोगों की अनुपस्थिति नहीं है बल्कि वह अवस्था है जहाँ व्यक्ति स्वयं को ऊजार्वान, संतुलित और जीवन के प्रति सकारात्मक पाता है। आज सफलता को केवल धन, पद और प्रतिष्ठा से जोड़ा गया है जबकि योग यह सिखाता है कि वास्तविक सफलता वह है जिसमें लालच कम हो, आकांक्षाएँ संयमित हों और जीवन जीने की जिजीविषा बनी रहे, योग मनुष्य को उपभोग से उपस्थिति की ओर ले जाता है ”

संजीव ठाकुर

योग की माया केवल निरोगी काया तक सीमित नहीं है बल्कि यह आधुनिक मनुष्य के बिखरते हुए जीवन को समेटने की एक गहन और मौन प्रक्रिया है, योग रोगमुक्त जीवन के लिए अद्भुत विधा है पर उससे भी अधिक यह स्वयं के माध्यम से स्वयं तक पहुँचने की यात्रा है, आज जब जीवन तेज रफ्तार, प्रतिस्पर्धा, अनिश्चितता और मानसिक दबावों से घिरा हुआ है तब योग केवल व्यायाम नहीं रह जाता बल्कि एक वैकल्पिक जीवन-दृष्टि बन जाता है। भारतीय अवार्चीन दर्शन की पाठशाला में योग एक ऐसा अध्याय है जो काल के साथ पुराना नहीं होता बल्कि हर युग में नया अर्थ ग्रहण करता है, योग शब्द संस्कृत की जड़ युज से निकला है जिसका अर्थ जोड़ना भी है और अनुशासन भी, और यही दो शब्द आज के मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुके हैं क्योंकि आधुनिक मनुष्य टूटा हुआ है।अपने शरीर से, अपने मन से, अपनी प्रकृति से और अपने भीतर की शांति से, योग इस टूटन को जोड़ने की कला है, जब नियमित योग अभ्यास से शरीर और मस्तिष्क के बीच एक स्वाभाविक सामंजस्य बनता है तब मन अनावश्यक अशांति से मुक्त होने लगता है और व्यक्ति परिस्थितियों को सहने नहीं बल्कि समझने लगता है, आज की जीवनशैली अनियमित भोजन, कृत्रिम स्वाद, देर रात तक जागना, मोबाइल और स्क्रीन की लत, लगातार तनाव और असुरक्षित भविष्य-बोध से भरी हुई है, ऐसे में योग किसी दवा की तरह नहीं बल्कि एक जीवन-विज्ञान की तरह काम करता है जो शरीर की आंतरिक कार्यप्रणाली को धीरे-धीरे सुधारता है, शिथिल अंगों को बिना आक्रामक हस्तक्षेप के सक्रिय करता है और मन को बाहरी शोर से हटाकर भीतर की शांति से जोड़ता है, निरोगी काया केवल रोगों की अनुपस्थिति नहीं है बल्कि वह अवस्था है जहाँ व्यक्ति स्वयं को ऊजार्वान, संतुलित और जीवन के प्रति सकारात्मक पाता है। आज सफलता को केवल धन, पद और प्रतिष्ठा से जोड़ा गया है जबकि योग यह सिखाता है कि वास्तविक सफलता वह है जिसमें लालच कम हो, आकांक्षाएँ संयमित हों और जीवन जीने की जिजीविषा बनी रहे, योग मनुष्य को उपभोग से उपस्थिति की ओर ले जाता है, भौतिक जगत में रहते हुए भी आंतरिक संतुलन बनाए रखना सिखाता है, आज के संदर्भ में जब अवसाद, चिंता, अनिद्रा और असंतोष नई पीढ़ी की सबसे बड़ी बीमारियाँ बन चुकी हैं तब योग एक मौन चिकित्सक की तरह काम करता है, युवा वर्ग शक्ति, लचीलापन, ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता की खोज में महंगे जिम, सप्लीमेंट और कृत्रिम उपायों की ओर आकर्षित हो रहा है जबकि योग अभ्यास एक ऐसा सुरक्षित, सुलभ और लागत-विहीन मार्ग है जो शरीर को उसके प्राकृतिक आकार और संतुलन में वापस लाता है, आसन शरीर को स्थिरता देते हैं, प्राणायाम श्वास को जीवन से जोड़ते हैं और ध्यान मन को उसकी मूल शांति से परिचित कराता है। योगाभ्यास से केवल बीमारियों से मुक्ति नहीं मिलती बल्कि भीतर एक नई चेतना का विकास होता है जो व्यक्ति को अधिक सजग, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाती है, योग के विभिन्न मार्गकृकर्म योग, भक्ति योग, ज्ञान योग, राजयोग और हठयोग जीवन के अलग-अलग पहलुओं को संतुलित करते हैं, कर्म योग सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जगाता है और यह सिखाता है कि निस्वार्थ कर्म ही समाज का वास्तविक आधार है, भक्ति योग मन और हृदय को जोड़कर व्यक्ति को अहंकार से विनम्रता की ओर ले जाता है और सहिष्णुता, करुणा तथा अहिंसा का भाव विकसित करता है, ज्ञान योग विवेक, अध्ययन, मनन और बौद्धिक परिपक्वता को प्रोत्साहित करता है ताकि मनुष्य अंधविश्वास से नहीं बल्कि समझ से जीवन जिए, राजयोग योग की सर्वाधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक विधा है जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा और ध्यान के माध्यम से आत्मानुशासन और अंततः आत्मानंद की अनुभूति का मार्ग प्रशस्त होता है।,योग का इतिहास केवल ग्रंथों में नहीं बल्कि भारतीय जीवन-शैली में रचा-बसा रहा है, पश्चिमी जगत का योग से परिचय स्वामी विवेकानंद के माध्यम से हुआ जिन्होंने शिकागो में योग को केवल धार्मिक नहीं बल्कि वैश्विक मानवता की आवश्यकता के रूप में प्रस्तुत किया, इसके बाद अनेक योग गुरुओं के प्रयासों से योग विश्वपटल पर प्रतिष्ठित हुआ और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता मिलना इस बात का प्रमाण है कि योग किसी एक देश या संस्कृति की नहीं बल्कि समूची मानव सभ्यता की धरोहर है।

सिडनी हमले से विश्व में और बढ़ेंगी मुसलमानों की मुसीबतें

“ ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से हनुक्का का त्यौहार मना रहे यहूदियों पर चरमपंथी आतंकवाद के नाम पर गोलियां चलाई गईं। ऐसे हमले पूर्व में युरोपीय और दूसरे देशों में हो चुके हैं। न्यू ऑरलियन्स (यूएसए) में जनवरी 1, 2025 को एक व्यक्ति ने ट्रक को पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ा दिया और फिर पुलिस से गोलीबारी की। अमरीकी संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक यह हमला वैश्विक इस्लामिक आतंकी संगठन आईएसआईएस की प्रेरणा से हुआ था। इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। यहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने लोगों से उनके धर्म पूछ-पूछकर उन्हें गोली मारी और सीधा प्रधानमंत्री का नाम लेकर चुनौती दे रहे थे। इस समय यूरोप और पश्चिमी देशों ने निंदा तो की थी लेकिन इस्लामिक आतंकवाद का नाम नहीं लिया था। हालांकि अब यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों लोन वुल्फ हमले बढ़ रहे हैं, तो उन्हें ये दर्द समझ आ रहा है। यूरोप में (रूस को छोड़कर), 1979 से अब तक 209 हमले हुए हैं और 802 लोगों की मौत हुई है। इसी अवधि में सबसे बुरी तरह प्रभावित यूरोपीय देश फ्रांस में 85 इस्लामी आतंकवादी हमले हुए हैं, जिनमें 334 लोगों की मौत हुई है। फ्रांस के अलावा, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया-हजेर्गोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम भी प्रभावित हुए हैं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी देशों में घातक हमलों की संख्या 2017 के बाद सबसे अधिक दर्ज की गई। ”

इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। मुस्लिम आतंकियों के हमलों और कट्टरपंथ सोच के कारण विश्व के कई देशों में भारी विरोध का सामना कर रहे मुस्लिमों की मुसीबतें आस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए आतंकी हमले के बाद और बढ़ेंगी। ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से हनुक्का का त्यौहार मना रहे यहूदियों पर चरमपंथी आतंकवाद के नाम पर गोलियां चलाई गईं। ऐसे हमले पूर्व में युरोपीय और दूसरे देशों में हो चुके हैं। न्यू ऑरलियन्स (यूएसए) में जनवरी 1, 2025 को एक व्यक्ति ने ट्रक को पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ा दिया और फिर पुलिस से गोलीबारी की। अमरीकी संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक यह हमला वैश्विक इस्लामिक आतंकी संगठन आईएसआईएस की प्रेरणा से हुआ था। इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। यहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने लोगों से उनके धर्म पूछ-पूछकर उन्हें गोली मारी और सीधा प्रधानमंत्री का नाम लेकर चुनौती दे रहे थे। इस समय यूरोप और पश्चिमी देशों ने निंदा तो की थी लेकिन इस्लामिक आतंकवाद का नाम नहीं लिया था। हालांकि अब यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों लोन वुल्फ हमले बढ़ रहे हैं, तो उन्हें ये दर्द समझ आ रहा है। यूरोप में (रूस को छोड़कर), 1979 से अब तक 209 हमले हुए हैं और 802 लोगों की मौत हुई है। इसी अवधि में सबसे बुरी तरह प्रभावित यूरोपीय देश फ्रांस में 85 इस्लामी आतंकवादी हमले हुए हैं, जिनमें 334 लोगों की मौत हुई है। फ्रांस के अलावा, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया-हजेर्गोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम भी प्रभावित हुए हैं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी देशों में घातक हमलों की संख्या 2017

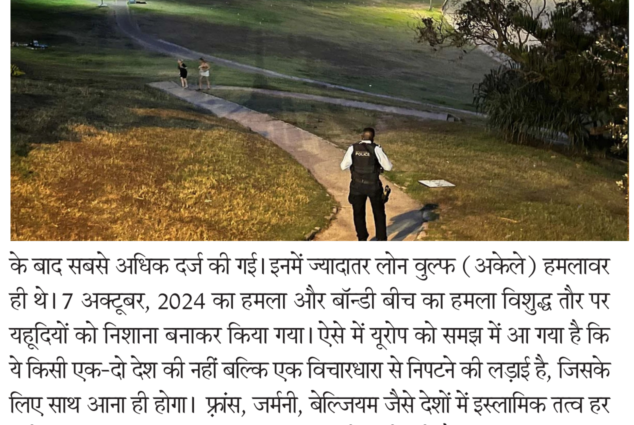

के बाद सबसे अधिक दर्ज की गई। इनमें ज्यादातर लोन वुल्फ (अकेले) हमलावर ही थे। 7 अक्टूबर, 2024 का हमला और बॉन्डी बीच का हमला विशुद्ध तौर पर यहूदियों को निशाना बनाकर किया गया। ऐसे में यूरोप को समझ में आ गया है कि ये किसी एक-दो देश की नहीं बल्कि एक विचारधारा से निपटने की लड़ाई है, जिसके लिए साथ आना ही होगा। फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम जैसे देशों में इस्लामिक तत्व हर दूसरे दिन किसी ना किसी बात पर प्रतिकार या दंगे करने लगे हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप मोरक्को जीता तो दंगा हुआ पेरिस में, मोरक्को हारा तो पेरिस जला, जब फ्रांस फाइनल में हारा तब भी पेरिस में दंगे हुए। इंग्लैंड में भारत पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के बाद प्रवासी भारतीयों पर स्थानीय मुस्लिमों ने हमले किये थे। जांच में यह भी सामने आया था कि अधिकाँश हमलावर और दंगाई इस्लामिक शरणार्थी थे। ऐसे में मेलबर्न से लेकर लंदन और सिडनी से लेकर पेरिस तक में प्रवासियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण वहां की सरकारों को अब इन पर एक्शन लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इन देशों हाई माइग्रेशन रेट के कारण स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लंदन की सड़कों पर लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने एंटी-इमिग्रेशन मार्च निकाला और इस्लाम और ब्रिटेन में बढ़ती प्रवासन समस्या का मुद्दा उठाया। ब्रिटेन में पिछले साल 29 जुलाई को एक्सेल ने साउथपोर्ट में चल रही एक डांस क्लास में घुस कर कई बच्चियों को बेरहमी से चाकू मार दिया था। हमलावर ने तीन बच्चियों की हत्या कर दी थी और 10 अन्य को घायल कर दिया था। इनमें ज्यादातर बच्चे थे। हमलावर मुस्लिम था। आरोपी एक्सेल के मां-बाप रवांडा से आए थे। घटना के बाद ब्रिटेन में बहुत बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। ब्रिटेन में बढ़ती मुस्लिम आबादी भी एक बड़ा मुद्दा है। अनुमान है कि साल 2035 तक ब्रिटेन की कुल आबादी में 25% मुस्लिम हो सकते हैं। ऐसे आतंकी हमलों और मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के खिलाफ प्रदर्शनकारी ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इनकी मांग है कि अवैध अप्रवासियों को देश से बाहर किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों से ब्रिटेन पहुंचे हैं। प्रदर्शन में शामिल लोग अवैध अप्रवासियों को शरण दिए जाने के खिलाफ हैं। हाल ही में एक इथियोपियाई अप्रवासी ने 14 साल की लड़की का यौन उत्पीड़न किया था, जिसने लोगों के गुस्से को और बढ़ावा दिया है। सरकार और पुलिस पर आरोप कि वे अवैध आव्रजन पर नकेल कसने में असफल हैं। मुस्लिम शरणार्थी युरोपीय देशों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। गिड़गिड़ाते हुए लाचार हालत में शरण लेने आए शरणार्थी अब इस्लाम और शरिया लागू करने के लिए धरने-प्रदर्शन कर रहे हैं। जर्मनी के हैम्बर्ग में 2000 से अधिक मुसलमानों ने रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने इस्लामवादी खिलाफत और शरिया कानून लागू करने की मांग की।

एशेज सीरीज में जो रूट ने बनाया नया कीर्तिमान 22 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले 9वें क्रिकेटर

मेलबर्न। जो रूट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 22 हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह ऐसा करने वाले दुनिया के नौवें बल्लेबाज बन गए। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह 22 हजारअंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले दुनिया के नौवें बल्लेबाज बन गए। रूट ने यह मुकाम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में 15 रन बनाकर हासिल किया। यह मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला गया। जो रूट ने अब तक 380 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 49.21 की औसत से 22 हजार रन बनाए हैं। उनसे आगे इस सूची में सचिन तेंदुलकर, कुमार संगकारा, विराट कोहली, रिकी पोंटिंग, महेला जयवर्धने, जैक्स कैलिस, राहुल द्रविड़ और ब्रायन लारा जैसे दिग्गज बल्लेबाज शामिल हैं। इंग्लैंड ने जीता चौथा टेस्ट ऑस्ट्रेलिया की धरती पर लंबे समय से शतक का इंतजार कर रहे रूट ने आखिरकार यह सूखा भी खत्म किया।

बालों में बो क्लिप लगाकर चहकीं आलिया भट्ट

बैकलेस ब्लैक ड्रेस दिखा हसीना का ग्लैमरस लुक

बॉलीवुड की टैलेंटेड और स्टाइल आइकन मानी जाने वाली आलिया भट्ट एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपने ग्लैमरस लुक से फैंस का दिल जीतती नजर आ रही हैं। फैंस आलिया के इन फोटोज को जमकर लाइक कर रहे हैं और उनकी खूबसूरती, स्टाइल और एक्सप्रेशंस की सराहना करते नजर आ रहे हैं।

तस्वीरों में आलिया ब्लैक कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें वह काफी स्टाइलिश और एलिगेंट लग रही हैं। इस लुक को खास बनाने के लिए उन्होंने बालों में बो क्लिप्स का इस्तेमाल किया है।

कहीं उन्होंने ग्रीन कलर का बो क्लिप लगाया है, तो कहीं रेड कलर का, जो उनके पूरे लुक में एक फ्रेश और प्लेफुल टच दे रहा है। फोटोज में आलिया अपने हेयरस्टाल को हाइलाइट करते हुए पोज दे रही हैं। लाइट मेकअप और न्यूड लिपस्टिक उनकी खूबसूरती को और निखार रही है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए आलिया भट्ट ने कैप्शन में लिखा, बोज का फेज चल रहा है। आलिया भट्ट का यह नया लुक सोशल मीडिया पर खूब छाया हुआ है और एक बार फिर उन्होंने अपने स्टाइल और चार्म से साबित कर दिया है कि क्यों वह बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा और खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं।

वाई प्लस सिक्योरिटी के साथ देर रात साइकिलिंग पर निकले सलमान खान, 60 के एक्टर की एनर्जी और फिटनेस हैरान रह गए फैंस

बॉलीवुड के दबंग एक्टर सलमान खान ने शनिवार, 27 दिसंबर 2025 को अपना 60वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस खास मौके पर उन्हें देश-विदेश से फैंस, दोस्तों और फिल्मी हस्तियों की ओर से ढेरों शुभकामनाएं मिलीं। सोशल मीडिया से लेकर उनके पनवेल स्थित फार्महाउस तक, हर जगह भाईजान के जन्मदिन की धूम देखने को मिली। इसी बीच सलमान खान का फार्महाउस की साइड से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेज रफ्तार में साइकिल चलाते नजर आ रहे हैं। 60 साल की उम्र में भी उनकी एनर्जी और फिटनेस देखकर लोग हैरान रह गए। पनवेल फार्महाउस से सामने आए इस वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान पूरे आत्मविश्वास के साथ साइकिल चलाते दिख रहे हैं। उनके आगे-पीछे कड़ी सिक्योरिटी दिख रही है, जबकि पैपराजी भी उन्हें कैमरे में कैद करने के लिए दौड़ते दिखते हैं। सुपरस्टार का यह बेफिक्र और एनर्जेटिक अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वीडियो में सलमान खान सबसे आगे साइकिल चलाते हुए नजर आते हैं और उनके चारों ओर सिक्योरिटी टीम मौजूद रहती है। खराब रास्ते के बावजूद जिस सहजता और रफ्तार से वह साइकिलिंग कर रहे हैं, उसने लोगों को चौंका दिया है। 60 की उम्र में भी उनकी फिटनेस और स्वैग देखकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। सलमान खान के इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स लगातार रिएक्शन दे रहे हैं। किसी ने लिखा, 60 की उम्र में भी 26 वाला जोश, गजब की फिटनेस है,ह्व तो किसी ने कमेंट किया, भाई तो भाई हैं३ लव यू भाईजान।

हमें उनसे बेहतर इंसान मिल गया,दृश्यम 3 को ठुकराने पर प्रोड्यूसर ने अक्षय खन्ना को भेजा लीगल नोटिस

एक्टर अक्षय खन्ना इन दिनों हालिया रिलीज हुई फिल्म धुरंधर को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म में उनके किरदार को खूब पसंद किया जा रहा है। उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्ड वाइड 1000 करोड़ का आंकडा पार कर लिया है। वहीं, धुरंधर की सफलता के बीच एक्टर ने श्दृश्यम 3श में अपनी डिमांड न पूरी होने के चलते इसे छोड़ने का फैसला कर लिया है। ऐसे अक्षय के फिल्म का ऑफर ठुकराने पर प्रोड्यूसर ने बड़ी बात कही है और बताया कि उन्हें एक बड़े एक्टर ने रिप्लेस कर दिया है। दृश्यम 3 के प्रोड्यूसर कुमार मंगत पाठक ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में कहा-दृश्यम एक बहुत बड़ा ब्रांड है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह फिल्म में है या नहीं। अब, जयदीप अहलावत ने उन्हें रिप्लेस कर दिया है। भगवान की कृपा से हमें अक्षय से बेहतर एक्टर मिला है और सबसे जरूरी बात, हमें अक्षय से बेहतर इंसान भी मिला है। मैंने जयदीप के करियर की शुरूआती फिल्मों में से एक आक्रोश (2010) प्रोड्यूस की थी। प्रोड्यूसर ने आगे कहा, अक्षय खन्ना के बर्ताव की वजह से मुझे नुकसान हुआ है। मैं कानूनी कार्रवाई करने जा रहा हूं। मैंने उन्हें पहले ही लीगल नोटिस भेज दिया है। उन्हें अभी इसका जवाब देना होगा। निमार्ता का आरोप है कि अक्षय ने शूटिंग से सिर्फ 10 दिन पहले फिल्म छोड़ दी, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ। कुमार मंगत ने इसे पूरी तरह अनप्रोफेशनल बिहेवियर बताया। अक्षय खन्ना को लंबी बातचीत और फीस पर दोबारा बातचीत के बाद ही फिल्म के लिए साइन किया गया था, जिसका एक एग्रीमेंट भी साइन हुआ था। शुरूआत में अक्षय ने ये शर्त रखी कि वे फिल्म में विग पहनना चाहते हैं, लेकिन निर्देशक अभिषेक पाठक ने उन्हें समझाया कि दृश्यम 3 सीक्वल है और विग से कंटिन्यूटी खराब होगी। इस पर अक्षय ने बात मान ली थी और विग न पहनने के लिए तैयार हो गए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार दृश्यम 3 के लिए अक्षय ने 21 करोड़ रुपये की फीस मांगी थी।

बच्चों की खातिर सुनील शेट्टी ने ठुकराया 40 करोड़ का तंबाकू का एड! कहा-अब तो किसी की हिम्मत नहीं होती..

सुनील शेट्टी भले ही इन दिनों फिल्मों में नजर नहीं आते, लेकिन वे अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में 64 वर्षीय सुनील एक इंटरव्यू में अपने काम और फिटनेस को लेकर कई खुलासे किए। साथ ही एक्टर ने खुलासा किया कि फिटनेस के जुनून के कारण उन्होंने 40 करोड़ का तंबाकू का एड कैंपेन भी ठुकरा दिया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने बताया कि साल 2017 में वह पिता वीरप्पा शेट्टी के निधन से वह बुरी तरह टूट गए थे। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से लंबा ब्रेक ले लिया था। वह बोले, श2017 में निधन से पहले पिताजी 2014 से बीमार थे और मैं उनकी देखभाल कर रहा था। मेरी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। मैंने पूरी तरह से काम छोड़ दिया था और फिर उनका निधन हो गया। हालांकि, उसी सुबह मुझे एक हेल्थ शो करने का ऑफर मिला। सुनील शेट्टी ने कहा कि लगभग पांच साल तक काम से दूर रहने के बाद पिता के निधन के दिन ही काम का ऑफर मिलना...उन्हें लगा कि जैसे यह भगवान का इशारा है। वह बोले, श्मैंने इसे एक बुलावा समझा और फिर एक्टिंग में वापसी की और कुछ साउथ की फिल्में कीं। जब आप 6-7 साल का ब्रेक लेते हैं, तो आपको लगता है कि आप अपने काम को नहीं जानते, चीजें बदल गई हैं, और कोई आपको नहीं जानता, सब नए हैं, इसलिए मैं सहज नहीं था। सुनील शेट्टी ने आगे कहा, कोविड महामारी के बाद मैंने खुद को अलग नजरिए से देखना शुरू किया। मैंने खुद को मजबूत बनाया, ट्रेनिंग ली, पढ़ा और बहुत कुछ किया। फिर मुझे खुद पर इतना भरोसा हो गया कि मुझे लगा कि मुझे किसी से वेलिडेशन की जरूरत नहीं है। भगवान और लक्ष्मी जी की कृपा रही है। हर बार मेरी जरूरत के समय दयालु रही हैं। वह बिना मांगे मेरे साथ हैं। इससे एक अलग तरह का आत्मविश्वास मिलता है। उस आत्मविश्वास ने मुझमें सब कुछ बदल दिया। तंबाकू प्रोडक्ट्स के प्रचार करने के बारे में सुनील शेट्टी ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऐसे प्रोडक्ट्स का विज्ञापन न करने का फैसला किया है। एक्टर ने बताया कि उन्होंने एक तंबाकू विज्ञापन के लिए 40 करोड़ रुपये का ऑफर भी ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा, मुझे एक तंबाकू विज्ञापन के लिए 40 करोड़ रुपये का ऑफर मिला था। मैंने उनकी तरफ देखकर कहा कि क्या आपको लगता है कि मैं पैसे के लालच में आ जाऊंगा? मैं नहीं आऊंगा।

आमिर खान का पैसा मेरा नहीं है, करोड़ों रुपए फीस मिलने पर हैरान थे इमरान खान ; बोले- तब मैं सिर्फ 25 साल का था

इमरान खान दस साल से भी ज्यादा के वक्त के बाद फिल्मों में वापसी करने जा रहे हैं। इससे पहले एक्टर ने बॉलीवुड के अपने सफर और अचानक मिली सफलता पर बात की। जानिए उन्होंने आमिर खान को लेकर क्या कहा आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान ने फिल्म जाने तू या जाने ना से बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की थी। अब इमरान लंबे समय बाद अपने मामा की ही फिल्म से बड़े पर्दे पर वापस लौट रहे हैं। इमरान खान आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस तले बन रही हैप्पी पटेल में नजर आएंगे। इस फिल्म की रिलीज से पहले इमरान खान ने बताया कि कैसे पहली फिल्म जाने तू या जाने ना के सफल होने के बाद वो रातों-रात स्टार बन गए थे। इसके बाद उनकी जिंदगी में कई बदलाव आए। साथ ही स्टारडम के बाद अपने रिश्तों में क्या कोई बदलाव आया, इसको लेकर भी इमरान ने बात की। मैं अमीर परिवार से नहीं आता हूं अनफिल्टर्ड विद समदीश में पहुंचे इमरान खान ने अपने सफर और सफलता के बारे में बात करते हुए कहा कि पैसों के साथ उनका रिश्ता काफी अजीब रहा है। एक्टर ने कहा कि लोगों को लगता है कि लोगों को लगता है कि मैं अमीर परिवार में पला-बढ़ा हूं, लेकिन पूरी तरह से सच नहीं है। मेरे मामा आमिर खान हैं, जो एक फिल्म स्टार हैं, लेकिन वे मेरी मां के चचेरे भाई हैं। वह पैसा मेरा नहीं है।

'बहस के बाद मुझे पीटते थे', 'बिग बॉस 19' फेम मालती चाहर ने मां-बाप को लेकर किया बड़ा खुलासा

अभिनेत्री मालती चाहर ने अपने माता-पिता के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने अपने साथ हुए गलत व्यवहार पर भी बात की है। आइए जानते हैं उनके विचार। अभिनेत्री मालती चाहर 'बिग बॉस 19' में आने की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने बचपन में अपने साथ आ रही दिक्कतों के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि उनके माता-पिता का उनके साथ कैसा रवैया था। उनके मुताबिक उनके मां-बाप की आपस में नहीं बन रही थी जिसका नुकसान उन्हें होता था। मालती ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि उनके माता-पिता उन्हें पीटते थे। मालती की जिंदगी का खराब दौर सिद्धार्थ कानन से बातचीत में मालती चाहर ने बताया कि उनकी जिंदगी का सबसे खराब दौर तब था, जब उनके पिता ने उनसे उस वक्त संपर्क तोड़ लिया था जब वह 12वीं में थीं। उन्होंने कहा 'मेरे माता-पिता के साथ दिक्कत थी। वे अक्सर लड़ते थे। मैं घर में सबसे बड़ी बेटी थी इसलिए मुझे ज्यादा दिक्कत होती थी। मेरा भाई क्रिकेट खेलता था इसलिए वह इससे दूर था।' मालती के साथ हुई जबरदस्ती मालती ने आगे बताया 'मैंने अपने पिता को बताया था कि मैं मिस इंडिया ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेना चाहती हूं और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में करियर बनाना चाहती हूं। हालांकि वह चाहते थे कि मैं एक आईपीएस ऑफिसर बनूं। उन्हें लगता था कि मुझे इससे दूर रखने से मैं अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे पाऊंगी। 11वीं क्लास तक मुझे छोटे बाल रखने के लिए मजबूर किया गया। मुझे कोई आजादी नहीं मिली।

मंत्र भारत ग्वालियर-सोमवार ,29 दिसम्बर 2025

देश/विदेश

दीप्ति शर्मा इतिहास रचने से एक कदम दूर चौथे टी20 में एक विकेट लेते ही मेगन शट को छोड़ेंगी पीछे

तिरुवनंतपुरम। भारत और श्रीलंका की महिला टीमों के बीच रविवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के पास इस दौरान टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनने का मौका होगा। भारतीय महिला टीम की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय में इतिहास रचने से एक कदम दूर हैं। दीप्ति इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रही हैं। भारत और श्रीलंका की महिला टीमों के बीच रविवार को तिरुवनंतपुरम में चौथा टी20 मैच खेला जाना है। दीप्ति अगर इस मैच में एक विकेट भी लेने में सफल रहीं तो वह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन जाएंगी। 150 विकेट ळ20कविकेट लेने वाली पहली भारतीय हैं दीप्ति दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में शानदार उपलब्धि दर्ज कर ली थी। दीप्ति महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट पूरे करने वाली पहली भारतीय और ओवरऑल कुल दूसरे खिलाड़ी बन गई थीं। दीप्ति से पहले ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। दीप्ति ने तीसरे टी20 मैच में चार ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट झटके थे।

यूक्रेन ने नहीं माना शांति समझौता तो ट्रंप-जेलेंस्की की बैठक से पहले पुतिन की चेतावनी

मॉस्को। फ्लोरिडा में ट्रंप और जेलेंस्की की बैठक से पहले रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन पर शांति वार्ता में गंभीर न होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर बातचीत से हल नहीं निकला तो रूस अपने विशेष सैन्य अभियान के सभी लक्ष्य सैन्य बल से हासिल करेगा। रूस और यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने को लेकर रविवार को फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अहम बातचीत करने वाले है। ऐसे में इस बैठक से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को दो टूक अंदाज में बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन शांति के रास्ते से युद्ध खत्म करने में कोई खास रुचि नहीं दिखा रहा है। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि अगर बातचीत से समाधान नहीं निकला, तो रूस अपने विशेष सैन्य अभियान के सभी लक्ष्य सैन्य ताकत के जरिए पूरे करेगा। पुतिन का यह बयान ऐसे

समय आया है, जब रूस ने यूक्रेन पर हमले और तेज कर दिए हैं और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फ्लोरिडा में अहम बैठक होने वाली है। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक पुतिन ने कहा कि अगर कीव के अधिकारी इस मुद्दे को शांति से हल नहीं करना चाहते, तो हम अपने सामने रखे गए सभी काम सैन्य तरीके से पूरे करेंगे। यूक्रेन पर शांति के लिए गंभीर न होने का आरोप पुतिन ने आगे कहा कि यूक्रेन की मौजूदा सरकार शांति समझौते को लेकर कोई जल्दी नहीं दिखा रही है। उन्होंने बताया कि वह इस बारे में एक साल पहले भी रूस के विदेश मंत्रालय में दिए गए भाषण में कह चुके हैं। उनका कहना था कि आज भी दुर्भाग्य से हम देख रहे हैं कि कीव के नेता इस संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म करने के लिए गंभीर नहीं हैं। कीव पर भीषण हमला बता दें कि पुतिन का यह बयान एक बड़े रूसी हमले के बाद आया है। रूस ने रातभर में करीब 500 ड्रोन और 40 मिसाइलें कीव और आसपास के इलाकों पर दागीं। इस हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और करीब 27 लोग घायल हुए हैं। ऐसे में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि यह करीब 10 घंटे तक चला हमला साफ दिखाता है कि रूस युद्ध खत्म नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि फरवरी 2022 में शुरू हुए इस युद्ध में अब तक दसियों हजार लोगों की जान जा चुकी है। तेज होती रूसी सेना की गतिविधियां इतना ही नहीं इससे पहले क्रेमलिन ने बताया कि पुतिन ने एक रूसी सैन्य कमांड पोस्ट का दौरा किया, जहां उन्हें सेना प्रमुख वैलेरी गेरासिमोव और अन्य कमांडरों ने हालात की जानकारी दी। रूसी अधिकारियों ने दावा किया कि उनकी सेना ने यूक्रेन के डोनेट्स्क और जापोरिजिया इलाकों में कुछ नए कस्बों पर कब्जा कर लिया है। दुनिया की नजरें ट्रंप-जेलेंस्की की बैठक पर गौरतलब हो कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की रविवार को फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। इस बैठक में करीब चार साल से चल रहे इस युद्ध को खत्म करने के संभावित रास्तों पर चर्चा होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक बातचीत में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी, जमीन से जुड़े विवाद और खास तौर पर डोनेट्स्क और जापोरिज़िया क्षेत्रों का मुद्दा प्रमुख रहेगा। ऐसे में दुनिया की नजरें अब इस बैठक पर टिकी हैं कि क्या इससे युद्ध को रोकने की दिशा में कोई ठोस कदम निकल पाता है या नहीं।

खालिदा जिया की हालत में सुधार नहीं डॉक्टरों ने दिया अपडेट

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की तबीयत और बिगड़ गई है। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत बेहद

नाजुक बनी हुई है और वो वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। 80 वर्षीय खालिदा जिया का ढाका के एवरकेयर अस्पताल में इलाज चल रहा है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की तबीयत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। उनके निजी डॉक्टर ने बताया है कि उनकी हालत 'बेहद नाजुक' बनी हुई है। 80 साल की जिया फिलहाल ढाका के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख खालिदा जिया का 23 नवंबर से अस्पताल में इलाज चल रहा है। 11 दिसंबर को उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था, ताकि उनके फेफड़ों और शरीर को आराम मिल सके। खालिदा जिया की तबीयत पर क्या बोले डॉक्टर? डॉ. एजेडएम जाहिद ने शनिवार को आधी रात अस्पताल के बाहर मीडिया को बताते हुए कहा कि ये नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार है। वह एक बहुत ही मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। न्यूज पोर्टल ुल्लिी६२२४ृ्ङ्क के अनुसार डॉक्टर ने देश के लोगों से उनके ठीक होने की दुआ करने की अपील की है। डॉक्टर ने कहा कि अगर ऊपर वाले की रहमत रही और वह इस नाजुक दौर से निकल पाईं, तभी कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। इस बीच उनके बेटे और पार्टी के कार्यकारी चेयरपर्सन तारिक रहमान ने अस्पताल जाकर मां का हाल जाना और वहां दो घंटे से ज्यादा समय बिताया। खालिदा जिया के स्वास्थ्य को लेकर डॉक्टर के इस बयान के बाद बीएनपी समर्थकों ने उनके लिए प्रार्थनाएं करना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि बीते दिनों विदेश से डॉक्टर की टीम उन्हें एयरलिफ्ट कर ले जाने की हालात का जायजा लेने बांग्लादेश आई थी। हालांकि, उनकी खराब हालत को देखते हुए ऐसा नहीं हो सका। डॉक्टरों की टीम कर रही देखरेख बता दें कि बीएनपी उन्हें बेहतर इलाज के लिए विदेश ले जाना चाहती थी। लेकिन उनकी मौजूदा शारीरिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह हवाई सफर कर सकें। इसलिए फिलहाल उनका इलाज देश में ही जारी है। उनकी देखरेख में स्थानीय और विदेशी डॉक्टरों की टीम लगी हुई है।

ईरान पर युद्ध थोप रहे यूएस, इस्त्राइल और यूरोप राष्ट्रपति पेजेश्कियन की धमकी- अब निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे

तेहरान। अमेरिकी और यूरोपीय प्रतिबंधों के चलते ईरान पर भारी दबाव पड़ रहा है। सोमवार को नेतन्याहू और ट्रंप की मुलाकात से ईरान और भड़क गया है और उसने अमेरिका और इस्त्राइल पर उसके खिलाफ युद्ध थोपने का आरोप लगाया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने दावा किया है कि अमेरिका, इस्त्राइल और यूरोप उनके देश के खिलाफ युद्ध छेड़ रहे हैं। ईरानी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब सोमवार को इस्त्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की आधिकारिक वेबसाइट को दिए एक साक्षात्कार में राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा, 'मेरी राय है कि हम अमेरिका, इस्त्राइल और यूरोप के साथ एक पूर्ण युद्ध में हैं। वे नहीं चाहते कि हमारा देश अपने पैरों पर खड़ा हो सके।' ईरानी राष्ट्रपति ने दी धमकी राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा, 'हमारी सैन्य ताकतें पूरी मजबूती से अपना काम कर रही हैं और अब हथियारों और संख्याबल के लिहाज से हम पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत हैं।' राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने धमकी देते हुए कहा, अब अगर उन्होंने हम पर हमला

किया तो हम निर्णायक जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई इराक के खिलाफ हुए युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक होगी। साथ ही यह उस युद्ध से भी ज्यादा जटिल और मुश्किल होगी। अमेरिका और इस्त्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए थे हमले अमेरिका और इस्त्राइल, ईरान पर परमाणु हथियार बनाने के आरोप लगा रहे हैं, जबकि ईरान इन आरोपों से इनकार करता आ रहा है। बीती जून में ईरान और इस्त्राइल के बीच संघ, हुआ था, जिसमें इस्त्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। साथ ही नागरिक ठिकानों को भी निशाना बनाया गया था। ईरान ने भी इस्त्राइल पर जवाबी हमले किए। हालांकि बाद में अमेरिका ने इस्त्राइल के समर्थन में ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। जिसमें कथित तौर पर ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान हुआ। जनवरी में अमेरिका की सत्ता संभालने के बाद से ट्रंप सरकार ने ईरान की सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। अपने पहले कार्यकाल में भी ट्रंप ने ईरान पर दबाव बनाया और दूसरे कार्यकाल में भी उस रणनीति को जारी रखा है। प्रतिबंध लगने के चलते ईरान को वैश्विक तेल बाजार में राजस्व का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सोमवार को नेतन्याहू और ट्रंप की मुलाकात में ईरान पर और अधिक दबाव बनाने को लेकर चर्चा हो सकती है।

बालेन शाह बने नेपाल में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार आम चुनाव के लिए आरएसपी के साथ हुआ समझौता

काठमांडू। नेपाल में हुए जेन जी के प्रदर्शनों को बालेन शाह ने समर्थन दिया था। हालांकि, उन्होंने जेन जी

प्रदर्शनकारियों से हिंसा से दूर रहने की अपील की थी। बालेंद्र शाह जेन जी में काफी लोकप्रिय है। काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बलेंद्र शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, को रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित किया गया, क्योंकि उन्होंने और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 5 मार्च को होने वाले नेपाल चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रात भर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्रीय समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता और प्रधानमंत्री पद का चेहरा नामित किया गया। वहींस रबी लामिछाने भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी, फ्ऱढ के अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे। समझौते के अनुसार बालेन और उनका समूह चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आरएसपी के चुनाव चिन्ह 'घंटी' पर चुनाव लड़ेगा। बालेन की ओर से अपनी टीम का आरएसपी में विलय करने पर सहमति जताने के बाद पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिन्ह अपरिवर्तित रहेंगे। 'व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों का ध्यान' समझौते के बाद लामिछाने ने कहा कि आम सहमति में व्यक्तिगत नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने रविवार सुबह फेसबुक पोस्ट में ये बातें साझा कीं। समझौते में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ युवा पीढ़ी की ओर से शुरू किए गए आंदोलन की जिम्मेदारी ली है। आंदोलन के दौरान घायल हुए लोगों सहित जेनरेशन जेड के प्रदर्शनकारियों की उठाई गई मांगों को पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह समझौता उन उभरती हुई युवा नेतृत्व वाली राजनीतिक ताकतों को एकजुट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने सितंबर आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसके कारण केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी। गठबंधन में कुलमान घिसिंग की पार्टी भी हो सकती है शामिल इस समझौते के बाद, बड़ी संख्या में जनरेशन जेड के समर्थकों के आरएसपी में शामिल होने की उम्मीद है। ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री कुलमान घिसिंग के नेतृत्व वाली एक अन्य नवगठित उज्यालो नेपाल पार्टी (यूएनपी), जिसने एकता और सहयोग पर बालेन के साथ कई दौर की बातचीत की है, ने अभी तक गठबंधन में शामिल होने के बारे में कोई निर्णय नहीं सुनाया है।

भारत भागे उस्मान हादी की हत्या के दो संदिग्ध बांग्लादेश पुलिस दावा मदद करने वाले

ढाका। बांग्लादेश पुलिस ने दावा किया है कि देश में जारी हिंसा से जुड़े दो आरोपी फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख सीमा पार कर भारत में घुस गए हैं। ढाका पुलिस के मुताबिक स्थानीय मदद से दोनों मेघालय पहुंचे है। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच एक बड़ी खबर सामने

आ रही है। जहां बांग्लादेश पुलिस ने एक बड़ा दावा करते हुए बताया है कि दो आरोपी फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख सीमा पार कर भारत में घुस गए हैं। मामले में ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के अतिरिक्त आयुक्त एसएन नजरुल इस्लाम ने बताया कि दोनों आरोपी स्थानीय लोगों की मदद से भारत के मेघालय राज्य में दाखिल हुए। उन्होंने बताया कि मिली जानकारी के अनुसार दोनों आरोपी हलुआघाट सीमा के रास्ते भारत पहुंचे। बांग्लादेशी दैनिक समाचार पत्र द डेली स्टार ने ढाका पुलिस के हवाले से बताया कि सीमा पार करने के बाद उन्हें सबसे पहले एक व्यक्ति ने रिसीव किया, जिसका नाम पुर्ति बताया गया है। इसके बाद एक टैक्सी ड्राइवर सामी ने दोनों को मेघालय के तुरा शहर तक पहुंचाया। नजरुल इस्लाम ने कहा कि पुलिस को अनौपचारिक जानकारी मिली है कि भारत में दोनों आरोपियों की मदद करने वाले पुर्ति और टैक्सी ड्राइवर सामी को भारतीय अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है। आरोपियों को वापस लाने के प्रयास में बांग्लादेशी सरकार डीएमपी के अतिरिक्त आयुक्त एसएन नजरुल इस्लाम ने आगे बताया कि बांग्लादेश सरकार आरोपियों को वापस लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके लिए भारत के अधिकारियों से औपचारिक और अनौपचारिक दोनों स्तरों पर संपर्क में रहा जा रहा है, ताकि आरोपियों की गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण सुनिश्चित किया जा सके। बांग्लादेश में क्यों जारी है हिंसा? गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से बांग्लादेश में हिंसा बदस्तूर जारी है। ढाका से लेकर चटगांव तक भीड़ के प्रदर्शन और उससे जुड़ी हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। 12 दिसंबर को इंकलाब मंच के छात्र नेता उस्मान हादी को गोली मार दी गई थी। इसके बाद 18 दिसंबर को हादी का सिंगापुर में निधन हो गया और तब से लेकर अब तक बांग्लादेश में लगातार माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। इसके ठीक बाद चटगांव में एक हिंदू शख्स की लिंचिंग की घटना ने पूरी दुनिया को चौंका दिया। ऐसे में बीते दिनों बांग्लादेश के नए राजनीतिक दल नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के एक नेता पर भी हमला हुआ। इशके बाद एनसीपी के मोहम्मद मुतालिब सिकदर को खुलना में गोली मार दी गई। इस हमले में सिकदर के सिर पर चोट आई है। बताया गया है कि उसे गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बांग्लादेश हिंसा के विरोध में लंदन उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन खालिस्तानियों ने डाली बाधा

लंदन। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच लंदन के बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुआ। इस दौरान खलिस्तान समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश की। बांग्लादेश में जारी हिंसा की गूंज अब लंदन तक सुनाई दे रही है। इसी क्रम में शनिवार को एक बड़ी खबर तब सामने आई जब बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ लंदन स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर हो रहे विरोध प्रदर्शन में खलिस्तान समर्थकों ने अपनी खराब मंशा का परिचय दिया। साथ ही इस पूरे विरोध प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश की। इस घटना के बाद पूरे मामले में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की रणनीति सामने आने का संदेह बढ़ गया है। आइए जानते है कैसे? दरअसल बांग्लादेश हिंदू एसोसिएशन और भारतीय समुदाय ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों, खासकर दीपु चंद्र दास की निर्मम हत्या के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया था। लेकिन इसी दौरान कुछ खलिस्तान समर्थक आ गए और प्रदर्शन में हल्की झड़प हो गई। बांग्लादेश में अब-तक क्यों जारी है हिंसा? बता दें कि बीते कुछ दिनों से बांग्लादेश में हिंसा बदस्तूर जारी है। ढाका से लेकर चटगांव तक भीड़ के प्रदर्शन और उससे जुड़ी हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। 12 दिसंबर को इंकलाब मंच के छात्र नेता उस्मान हादी को गोली मार दी गई थी। इसके बाद 18 दिसंबर को हादी का सिंगापुर में निधन हो गया और तब से लेकर अब तक बांग्लादेश में लगातार माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। इसके ठीक बाद चटगांव में एक हिंदू शख्स की लिंचिंग की घटना ने पूरी दुनिया को चौंका दिया। खालिस्तानी समर्थकों का आने से विवाद क्यों? बता दें कि खलिस्तान समर्थकों का प्रदर्शन स्थल और समय पर अचानक आना एक संयोग नहीं बल्कि पहले से योजना के तहत किया गया कदम माना जा रहा है। उनके वहां होने का मतलब ये है कि किसी बाहरी शक्ति का हाथ है। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान की आईएसआई लंबे समय से बांग्लादेश और भारत की राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति पर असर डाल रही है। ऐसे में आईएसआई का मकसद युवाओं को कट्टरपंथ की ओर मोड़ना और धार्मिक अतिवाद फैलाना है। खालिस्तानी समर्थकों का मकसद आईएसआई के इस अभियान के तहत बांग्लादेश में इस्लामवादी समूह हिंदू अल्पसंख्यकों की आवाज दबा रहे हैं। बाहर देशों में खलिस्तान समर्थक हिंदू विरोधी और भारत विरोधी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। खलिस्तान समर्थकों का यह प्रदर्शन सीधे हिंदुओं के खिलाफ नहीं था, बल्कि इसका असली मकसद बांग्लादेश में हो रहे हिंदू उत्पीड़न की घटनाओं पर से ध्यान हटाकर भारत विरोधी संदेश फैलाना था। सूत्रों का कहना है कि आईएसआई बांग्लादेश में और बाहर दोनों जगह रणनीति चला रही है। एक तो बांग्लादेश में इस्लामवादी समूह भारत विरोधी संदेश फैलाते हैं और अल्पसंख्यकों की आवाज दबाते हैं। दूसरा पश्चिमी देशों में खलिस्तान समर्थक भारत और हिंदुओं के समर्थन में उठ रही आवाजों को बाधित करते हैं।

म्यांमार में तख्तापलट के पांच साल बाद जुंटा की निगरानी में चुनाव

नेपीडॉ । सेना ने दुर्व्यवहार के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वह आतंकवादियों को निशाना बना रही है। सेना दावा किया है कि चुनाव का उद्देश्य एक वास्तविक, अनुशासित बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था का निर्माण करना है। म्यांमार ने चुनावों की अंतरराष्ट्रीय आलोचना को खारिज कर दिया है। म्यांमार की चुनी हुई सरकार के तख्तापलट के करीब पांच साल बाद सैन्य जुंटा ने रविवार को कड़ी निगरानी में राष्ट्रीय चुनाव के लिए मतदान शुरू कराया। यह चुनाव फरवरी 2021 में सत्ता पर कब्जा करने के बाद से जुंटा की ओर से करवाया जा रहा पहला आम चुनाव है। म्यांमार में हुए तख्तापलट के बाद बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों ने देश को गृहयुद्ध में धकेल दिया, जो आज तक जारी है। सेना का दावा है कि यह चुनाव लोकतंत्र की वापसी का रास्ता तैयार करेगा। हालांकि, विपक्षी समूहों और मानवाधिकार संगठनों ने इस चुनाव को जुंटा शासन को जारी रखने की वैधता प्रदान करने के लिए उठाया गया कदम बताया है। सैन्य जुंटा पर लग रहे गंभीर आरोप ये चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब म्यांमार की सबसे लोकप्रिय सियासी नेता आंग सान सू की, जिनकी सरकार को फरवरी 2021 में सेना ने उखाड़ फेंका था, अभी भी जेल में हैं। उनकी पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) भंग कर दी गई है, जिससे वह प्रभावी रूप से राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर हो गई है। सीएनएन के अनुसार चुनावी परिदृश्य सैन्य जुंटा के पक्ष में भारी रूप से झुका हुआ है, जिसमें जुंटा से जुड़ी या समर्थित पार्टियों का दबदबा है। देश के कुछ हिस्सों में रविवार से मतदान शुरू हो गया है और यह तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है। म्यांमार में 11 जनवरी और 25 जनवरी को दो और चरण में मतदान होगा। अधिकारियों ने अंतिम नतीजे जारी करने की तारीख का एलान नहीं किया है। कई हिस्सों में नहीं होगा मतदान सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार सैन्य बलों और विभिन्न जातीय सशस्त्र समूहों व लोकतंत्र समर्थक लड़ाकों के बीच जारी झड़पों के कारण कई क्षेत्रों, विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों और मध्य म्यांमार के कुछ हिस्सों में मतदान असंभव हो गया है।

भारत ने नूर खान एयरबेस पर किया था बड़ा हमला पाकिस्तान के विदेश मंत्री का बड़ा कबूलनामा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेइज्जती का शिकार होना पड़ा है। दरअसल पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने स्वीकार किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमलों में उनके नूर खान एयरबेस को भारी नुकसान हुआ। पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी किरकिरी करा ली है। दरअसल अब पाकिस्तान की सरकार ने स्वीकार किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमले में उनके नूर खान एयर बेस को भारी नुकसान हुआ था। ये बात किसी और ने नहीं बल्कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने स्वीकार की है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इशाक डार ने स्वीकार किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के सटीक हमलों में उनके नूर खान एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा और यहां तैनात जवान भी घायल हुए। इशाक डार की स्वीकारोक्ति पाकिस्तान ने दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उन्हें खास नुकसान नहीं हुआ, लेकिन अब उनकी सरकार के ही वरिष्ठ मंत्री ने उनके दावे की पोल खोल दी है। इशाक डार ने कहा कि भारत ने 36 घंटों के भीतर पाकिस्तानी क्षेत्र में कई ड्रोन हमले किए और एक ड्रोन ने उनके सैन्य प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचाया, जो ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय हमलों की सटीकता को उजागर करता है। इशाक डार ने कहा, 'भारत ने पाकिस्तान की ओर ड्रोन भेजे। 36 घंटे के भीतर कम से कम 80 ड्रोन भेजे गए। हम 80 में से 79 रोकने में सफल हुए और केवल एक ड्रोन ने सैन्य प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचाया और इस हमले में हमारे कर्मी भी घायल हुए।'

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।